हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 14.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 24 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन में पहुंच रहे असामाजिक तत्व और दागी लोग

स्पेशल ब्रांच ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सुरक्षा को लेकर किया अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सुरक्षा को लेकर स्पेशल ब्रांच ने हाई अलर्ट जारी किया है। स्पेशल ब्रांच ने मुख्यालय और सरकार को सुरक्षा संबंधी इनपुट दिया है। इनपुट में आंदोलन के दौरान असामाजिक तत्वों और दागी लोगों की मौजूदगी की बात सामने आने के बाद मुख्यमंत्री और उनके आवास की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा के मद्देनजर मुख्यमंत्री आवास को चारों तरफ से बैरिकेडिंग से घेर दिया गया है। आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में भी अतिरिक्त जवान लगाए गए हैं।

सुरक्षा बलों को निर्देश दिया गया है कि सीएम आवास के आसपास आने-जाने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल जांच की जाए।

बताया जा रहा है कि जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन में छात्र संगठनों के साथ कई राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हो रहे हैं। इसी दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्रयास भी किया गया था।

विधानसभा घेराव के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में एयरगन, पिस्टल जैसे दिखने वाले सामान और अन्य हथियार नजर आने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गईं। स्पेशल ब्रांच ने आंदोलन से जुड़े इनपुट के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

- मुख्यमंत्रीआवास की चारों तरफ बैरिकेडिंग बढ़ाई गई।
- मुख्यमंत्री आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।
- मुख्यमंत्री की सुरक्षा में भी अतिरिक्त जवान लगाए गए।
- मुख्यमंत्री आवास के आसपास आने-जाने वालों पर विशेष निगरानी के निर्देश।

स्पेशल ब्रांच के इनपुट के मुताबिक आंदोलन में कुछ असामाजिक तत्व और दागी लोग भी पहुंच रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से ऐसे लोगों को चिन्हित किए जाने की बात सामने आई है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनके परिवार के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने को भी सुरक्षा के लिहाज से गंभीरता से लिया गया है।

स्पेशल ब्रांच ने आशंका जताई है कि आंदोलन की आड़ में असामाजिक तत्व मुख्यमंत्री आवास के आसपास पहुंचकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। इसी खतरे को देखते हुए सीएम आवास के बाहर बैरिकेडिंग बढ़ाने के साथ अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है।

एक नजर

आरजी कर मामले में पूर्व तृणमूल विधायक गिरफ्तार

कोलकाता : आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक-प्रशिक्षु के दुष्कर्म और हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है। पानीहाटी के पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के बाद पीड़िता के शव का कथित तौर पर जबरन अंतिम संस्कार कराने में उनकी भूमिका थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतका के पिता ने सोमवार को उत्तर 24 परगना के खरदह थाने में निर्मल घोष समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी प्राथमिकी के आधार पर निर्मल घोष को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, नई प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ही निर्मल घोष ओडिशा चले गए थे और वहां छिपकर रह रहे थे। पुलिस की नजर से बचने के लिए वह नए सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी सिम कार्ड के जरिए वह अपने कुछ करीबी लोगों के संपर्क में थे।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पांच आरोपियों को 25 साल की सजा

पश्चिमी सिंहभूम : जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 में सामने आए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अदालत ने पांच दोषियों को 25 वर्ष के कठोर कारावास की सजा गुरुवार को सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश-द्वितीय संतोष आनंद की अदालत ने गुरुवार को मामले की सुनवाई करते हुए दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। सजा पाने वालों में सिंगराय पुरती उर्फ पिंटु पुरती, हरिचरण पाडेया उर्फ लोकेया, हरिचरण पुरती उर्फ जरोय पुरती, चन्द्र पुरती उर्फ विशाल पुरती और सुलेमान पुरती उर्फ सोले शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ मुफ्फसिल थाना कांड में 22 सितंबर 2023 को सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया।

अनंत महाराज से वापस लिया गया 'बंगा विभूषण' सम्मान

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार 13 अगस्त को बीजेपी के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज उर्फ नागेंद्र रॉय को दिया गया सम्मान 'बंगा विभूषण' वापस ले लिया गया है और रद्द कर दिया गया है। उन्होंने हाल ही में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। राज्य के सूचना एवं संस्कृति विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि नागेंद्र रॉय को 21 फरवरी 2026 को प्रदान किया गया 'बंगा विभूषण' तत्काल प्रभाव से वापस लिया और निरस्त किया जाता है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अब अनंत महाराज इस सम्मान के प्राप्तकर्ता के तौर पर अपनी पहचान नहीं बता सकेंगे और न ही इससे मिलने वाली किसी मान्यता, विशेषाधिकार या लाभ का दावा कर सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को सभी आधिकारिक रिकॉर्ड और 'बंगा विभूषण' प्राप्तकर्ताओं की सूची से उनका नाम हटाने का निर्देश भी दिया गया है।

खान और खनिज संशोधन विधेयक पर उबले सीएम, कहा-

झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : खान और खनिज संशोधन विधेयक 2026 पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कड़ा एतराज जताया है। यह बिल कल लोकसभा से और आज राज्यसभा से भी पारित हो गया। अब राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ यह कानून बन जाएगा। इस बिल पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए कहा है कि झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा। उन्होंने कहा कि खनिज झारखंड का, जमीन झारखंड की- तो हमारे हक-अधिकार का फैसला दिल्ली क्यों करेगी?

लोकसभा और राज्यसभा - दोनों सदनों में जल्दबाजी में खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पास करा केंद्र सरकार ने झारखंड के हाथ-पैरों को काटने का काम किया है। यह काला बिल झारखंड और झारखंडियों के साथ अन्याय है, उनके विकास और भविष्य पर बहुत बड़ा कुठाराघात है। झारखंड यह सौतेला व्यवहार नहीं सहेगा। झारखंड में करोड़ों लोगों के सामाजिक सुरक्षा जैसे मईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि योजनाएं बंद होने के कगार पर आ जाएगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा इसका पुरजोर विरोध करता है। अगर केंद्र सरकार ने यह काला बिल वापस नहीं लिया तो झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा। प्रत्येक जिला, प्रत्येक प्रखंड, प्रत्येक पंचायत, प्रत्येक शहर में इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। अगर केंद्र सरकार नहीं चेती, और झारखंड तथा झारखंडियों को उसका हक-अधिकार वापस नहीं किया गया तो झारखंड निर्णायक और ऐतिहासिक निर्णयों को लेने से पीछे भी नहीं हटेगा।

वहीं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने खनिज वहन भूमि उपकर एवं प्रस्तावित संशोधन विधेयक 2026 को राज्यों के अधिकार को खत्म करने की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा है कि इस संशोधन से झारखंड जैसे राज्य खनिज युक्त भूमि पर किसी प्रकार का कर, उपकर या अन्य लेवी केंद्र सरकार के निर्धारित शर्तों के बिना नहीं लगा सकेंगी।

एल ख्यांग्ते पर साक्ष्य से छेड़छाड़ का आरोप कार्यालय से डेटा हटाने की जांच में खुलासा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में कथित अनियमितता की जांच के दौरान पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांग्ते की भूमिका को लेकर सीआईडी की जांच में कई अहम बातें सामने आई हैं। जांच के मुताबिक, जेपीएससी कार्यालय में छापेमारी के बाद खियांग्ते के कार्यालय पहुंचने और कंप्यूटर से महत्वपूर्ण डेटा हटाने की कोशिश किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

बताया गया है कि ख्यांग्ते ने पेन ड्राइव के माध्यम से कुछ डेटा अपने साथ ले जाने की कोशिश की। इसके अलावा आयोग कार्यालय से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी उनके साथ ले जाए जाने की बात जांच में सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीआईडी ने उनके आवास पर भी कार्रवाई की, जहां से जांच से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए।

एल खियांग्ते ने सीआईडी की विशेष अदालत में लगाई जमानत की गुहार

रांची : जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने जमानत के लिए गुहार लगाई है। उनके वकील ने सीआईडी की विशेष अदालत में गुरुवार को जमानत याचिका दाखिल की है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल खियांग्ते को गिरफ्तार किया था।

खरगे के कार्यक्रम स्थल के 'शुद्धिकरण' पर भड़की कांग्रेस कुमारी शैलजा बोलीं - भाजपा जानबूझकर नफरत फैला रही

एजेंसी

नयी दिल्ली : उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद कार्यक्रम स्थल के कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला है। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता यशपाल आर्य ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कुमारी शैलजा ने कहा, उत्तराखंड में भाजपा की भ्रष्ट सरकार है और खरगे जी के कार्यक्रम स्थल का 'शुद्धिकरण' किया जाना बेहद शर्मनाक है।

'शुद्धिकरण' विवाद : नड्डा बोले- मामले की होगी जांच, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

नयी दिल्ली : राज्यसभा में गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष के संबोधन के बाद कथित 'शुद्धिकरण' किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे छुआछूत की घटना बताते हुए दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। खरगे ने कहा कि 8 अगस्त को उनकी रैली के बाद मैदान का 'शुद्धिकरण' कराया गया, जो छुआछूत जैसी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में भाजपा की भूमिका है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने कहा कि भाजपा ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इस मामले को गंभीरता से लेंगे। नड्डा ने कहा, जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की।

एअर इंडिया टर्बुलेंस मामला: एयरलाइन कराएगी सभी पायलटों का डोप टेस्ट

नयी दिल्ली : एअर इंडिया की फुकेत-दिल्ली उड़ान (एआई 2379) के टर्बुलेंस मामले में एएआईबी की अंतरिम रिपोर्ट एक महीने से पहले आने की उम्मीद है। यह जानकारी सूत्रों की ओर से गुरुवार को दी गई। थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आते समय 36 हजार फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा एअर इंडिया का विमान एआई 2379 अचानक से 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे करीब 24 लोग घायल हो गए थे। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को इस मामले में जांच तेज करने के निर्देश भी दिए हैं। एअर इंडिया के अहमदाबाद में दुर्घटना का शिकार हुए विमान एआई-171 के मुकाबले इस मामले में सारे सबूत मौजूद हैं। एफडीआर और सीवीआर को सुरक्षित कर लिया गया है।

महाराष्ट्र के नांदेड में सुखबीर सिंह बादल पर जानलेवा हमला

एजेंसी

नांदेड : पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड में हमला किया गया। यह घटना ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हमले में सुखबीर सिंह बादल के हाथ में चोट लगी है। उन्हें उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के समय उनके परिवार के सदस्य भी साथ थे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार सुखबीर सिंह बादल गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने के लिए वाहन से उतर रहे थे, तभी एक व्यक्ति ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

गढ़वा में जेन आल्फा का जबरदस्त प्रदर्शन, पथराव में जवान घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढ़वा : गढ़वा जिले के कांडी थाना के समीप स्थित जमा-दो उच्च विद्यालय के शिक्षक मलय सिंह के तबादले को लेकर छात्रों और छात्राओं का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों से चल रहा आंदोलन गुरुवार को उस समय उग्र हो गया, जब छात्र सड़क पर उतरकर जाम करने लगे। शिक्षक के तबादले को रोकने की मांग को लेकर जिला समाहरणालय से लेकर कांडी प्रखंड तक प्रदर्शन किया गया। इसी दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों की ओर से थाना पर पथराव किए जाने की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि सड़क जाम कर रहे छात्रों को समझाने कांडी प्रखंड प्रमुख पिंकू पांडेय पहुंचे थे। इसी दौरान छात्रों और प्रमुख के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि प्रमुख ने एक विद्यार्थी को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी छात्र आक्रोशित हो गए और प्रमुख की गाड़ी में तोड़फोड़ शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ने पर प्रमुख अपनी जान बचाने के लिए कांडी थाना पहुंचे। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र भी थाना पहुंच गए और वहां पथराव शुरू कर दिया।

थाना पर हुए पथराव में एक पुलिस जवान के सिर में चोट लगी, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रदर्शनकारी छात्र अब भी शिक्षक मलय सिंह का तबादला रोकने की मांग पर अड़े हुए हैं। साथ ही घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर सड़क जाम किए हुए हैं। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन के वरीय अधिकारियों को जानकारी दी गई है। एसडीपीओ ने बताया कि घटना की सूचना मिली है और अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर भेजा जा रहा है। पुलिस की ओर से छात्रों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित मानसून सत्र का अधिकांश समय चढ़ा हंगामे की भेंट

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के पेपर लीक, विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने और अयोध्या में राममंदिर के चढ़ावा चोरी की जांच की मांग को लेकर अधिकांश समय विपक्ष के हंगामे और शोरगुल की भेंट चढ़े संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। श्री बिरला ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। श्री बिरला ने वंदे मातरम् के गायन के लिए सदस्यों से खड़े होने का आग्रह किया। राष्ट्रगीत के बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दी। इसके साथ ही 20 जुलाई से शुरू हुआ संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया।

इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सभी दलों के प्रमुख नेता मौजूद थे।

- विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया।
- लोक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित हुआ, जिसमें परीक्षा पत्र लीक जैसे मामलों में कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है।
- वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने वाला विधेयक भी पारित हुआ।
- सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक को मंजूरी मिली।
- केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने वाले विधेयक को भी संसद की मंजूरी मिली।
- अन्य विधेयकों में जन्म-मृत्यु पंजीकरण, एमएसएमई, कराधान, सहकारिता, अधिकरण सुधार और खान-खनिज से जुड़े विधेयक शामिल रहे।

हजारीबाग में विधायक के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत हजारीबाग में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद के द्वारा भव्य एवं विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकताओं, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों एवं राष्ट्रभक्त नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्र के गौरव, शौर्य, त्याग, एकता और संकल्प का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' अभियान देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने हजारीबाग की जनता से आह्वान किया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और पूरे उत्साह एवं गौरव के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाएं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान अब जन-जन का अभियान बन चुका है। देश का प्रत्येक नागरिक तिरंगे के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करते हुए राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प ले रहा है। हजारीबाग में तिरंगा यात्रा के दौरान जिस प्रकार लोगों में उत्साह और उमंग देखने को मिली, वह राष्ट्र के प्रति नागरिकों की अटूट भावना को दशार्ती है। तिरंगा यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक यादव, उदयभान नारायण सिंह, हरिश श्रीवास्तव, आनंद देव, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुदेश चंद्रवंशी, महामंत्री जयनारायण कुशवाहा, उपाध्यक्ष कुणाल दुबे, रेणुका साहू, मंजू नंदनी, उपेंद्र सिंह , मनोज गिरी, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र बिहारी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राजकरण पांडेय, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष तनवीर अहमद, आलोक कुमार, मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, कैलाश यादव, शिवपाल यादव, अजीत कुशवाहा, विमल गुप्ता, रिंकु वर्मा एवं कुलदीप कृष्णा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावे विधायक प्रतिनिधि दिलीप साहू, कौलेश्वर रजक, चौधरी साहू, रामकुमार मेहता, सुमन राय, राम अवतार शर्मा, बिरजू रवि, प्रीत गुप्ता, कृष्णा साहू, मंदीप यादव, बलराम शर्मा, राजेश गुप्ता, विनोद सिंह, अशोक राणा, सुरेंद्र सिंह, मनोज श्रीवास्तव, सुबोध सिन्हा, राजेश ठाकुर, राजेश यादव, हेवन्ती देवी, पिंटू रानी, विजय निषाद एवं मनीष चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। वहीं नरेन्द्र कुमार, परमेश्वर यादव, बजरंगी ठाकुर, भानुमति पासवान, आदित्य प्रसाद, ऋषि शर्मा, विवेक बैरियर, मुखिया नारायण साहू, शशिकांत शर्मा, सनातनी विकास, महावीर सिंह ,रीतलाल यादव, अरुण राणा, अशोक मेहता, वीरेंद्र ओझा, अमित पासवान , अनील कुशवाहा , पवन गिरि , गोविंद यादव ,संजू पासवान, राजेन्द्र मेहता , नरेश रजक , सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं सामाजिक संगठनों ने भी तिरंगा यात्रा में सहभागिता की। जीएम कॉलेज, इंटर साइंस कॉलेज, गुलमोहर कॉलेज एवं डिफेंस संगठन की टीम सहित हजारीबाग के हजारों नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने तिरंगा यात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बना दिया। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का दिन भी है। हमें तिरंगे के सम्मान के साथ-साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रभक्ति, एकता एवं गौरव के पर्व के रूप में मनाएं।

ग्राम तेतरिया भंडारो में लगा विशेष शिविर, आदिम जनजाति को सरकारी योजनाओं का मिला लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : अंतिम पंक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम तेतरिया भंडारो में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो की अध्यक्षता में किया गया। शिविर का मुख्य फोकस क्षेत्र की 'आदिम जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। इस शिविर में आदिम जनजाति के परिवारों के आवास, राशन कार्ड, वृद्धा/विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, जाति-आवासीय प्रमाण पत्र और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के फॉर्म भरे गए। साथ ही मौके पर ही कई लाभुकों को योजनाओं का लाभ भी दिया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। ऐसे शिविरों के माध्यम से दूरदराज के गांवों तक योजनाओं की जानकारी और लाभ सीधे पहुंचाया जा रहा है। मुखिया ने ग्रामीणों से अपील की कि वे शिविर में आकर अपनी समस्याएं बताएं और योजनाओं का लाभ उठाएं। ग्रामीणों ने शिविर लगाए जाने पर प्रशासन और पंचायत का आभार व्यक्त किया। मौके पर मुखिया रीना देवी, सकलदेव यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान ओम शांति संस्था के द्वारा चलाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ने नशा न करने की गीत सुना कर शुरूआत किया । वहीं ओम शांति संस्था के कल्याणी बहन ,अवध किशोर भाई ने नशा से दूर रहने की बात कही । इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समस्त विद्यालय परिवार ने नशे से दूर रहने तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सभी ने शपथ लेते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के लोगों

को भी नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करेंगे। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी ने विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार की खुशहाली और समाज के विकास में भी बड़ी बाधा बनता है। नशे से बचाकर ही स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। मौके पर ओम शांति संस्था के कल्याणी बहन ,अवध किशोर भाई, करिश्मा बहन विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामलखन महतो वरिष्ठ शिक्षिका विमली कुमारी, अशोक कुमार ,अख्तर हुसैन ,शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार ,शंकर महतो ,शंकर राणा मीना वर्मा ,जितेंद्र कुमार ,अर्जुन सिंह प्रमिला देवी एवं छात्राएं उपस्थित थे।

विभावि यूसेट में 'नशा मुक्ति जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हजारीबाग में बृहस्पतिवार को 'नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन स्वामी विवेकानंद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो (डॉ) चंद्र भूषण शर्मा ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "आज जो विद्यार्थी है, उन्हें कुछ ही वर्षों के बाद राष्ट्र का दायित्व संभालना होगा।" इसलिए उन्हें सब के बारे में चिंतन करना होगा।

ब्रह्मकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि बहन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटक और डांस-ड्रामा की कुलपति ने खूब सराहना की। कहा कि इसका मंचन शहर के प्रमुख स्थलो पर भी होनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूसेट निदेशक डॉ आशीष कुमार साहा ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय इकाई की प्रमुख बहन हर्षा एवं बहन दीप्ति, बहन माधुरी एवं बहन जया ने विद्यार्थियों के साथ विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर अर्चना रीना धान के निर्देशन में विद्यार्थियों ने अर्थपूर्ण नुक्कड़ नाटक एवं प्रभावशाली डांस ड्रामा की प्रस्तुति की। इसके पश्चात ब्रह्मकुमारी बहन हर्षा के निर्देशन में 'ध्यान एवं मेडिटेशन' के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक शांति, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच के महत्व से अवगत कराया गया। इसके पश्चात नशामुक्ति के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की 'शपथ' दिलाई गई।

कार्यक्रम में *रक्षाबंधन* कार्यक्रम के द्वारा एक दूसरे को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति जागरूकता नोडल विभाग के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा एवं यूसेट एवं बीसीए के शिक्षक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

बरही में संस्कृति ज्ञान महाअभियान की शुरूआत, विधायक ने किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में विद्या विकास समिति, रांची द्वारा संचालित भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरही में संस्कृति ज्ञान महाअभियान की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष अमित कुमार, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय ने विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य अतिथियों को 'बोधमाला' की प्रतियां भेंट कीं। प्रधानाचार्य ने कहा कि विरासत में मिली संस्कृति, परंपरा एवं धरोहर को सुरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ी को उसके बारे में जानकारी देना सभी का दायित्व है। इसके लिए संस्कृति से जुड़ाव बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्रम के प्रभारी राजू कुमार ने बताया कि विश्व के प्रत्येक देश अपनी संस्कृति एवं धरोहर को सुरक्षित रखने तथा नई पीढ़ी को उससे अवगत कराने का प्रयास करता है। इसी उद्देश्य से विद्या भारती के तत्वावधान में विद्यालय में संस्कृति ज्ञान महाअभियान शुरू किया गया है, जो 28 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में गुरुवार को विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विष्णुगढ़ स्थित ब्रॉन्ज क्लस्टर की प्रगति, आर्टिजंस के प्रशिक्षण, आधारभूत सुविधाओं एवं आगामी उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने ब्रॉन्ज क्लस्टर का उद्घाटन आगामी 17 सितंबर 2026 को कराने का निर्देश दिया। उन्होंने उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु संबंधित विभागों एवं समिति के सदस्यों को

आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि विष्णुगढ़ ब्रॉन्ज क्लस्टर में वर्तमान में 832 आर्टिजंस कार्यरत हैं, जिनमें से 63 आर्टिजंस को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। शेष आर्टिजंस को आवश्यक मशीनों की उपलब्धता के उपरांत प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों द्वारा क्लस्टर में कार्यरत महिलाओं के लिए स्टोर रूम तथा क्लस्टर परिसर की चहारदीवारी निर्माण की आवश्यकता से उपायुक्त को अवगत कराया गया। इस पर उपायुक्त ने आजीविका संवर्धन के उद्देश्य से उक्त कार्यों को यूनाइटेड फंड से कराने पर सहमति प्रदान की। बैठक में यह भी बताया गया कि राज्यांश मद की 16.50 लाख रुपये की राशि का प्रस्ताव लंबित है, जिसे मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2023 में उद्योग निदेशालय को भेजा गया था। इस संबंध में उपायुक्त ने जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के महाप्रबंधक श्री शंभू शरण बैठा को आवश्यक विभागीय पत्राचार करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि ब्रॉन्ज क्लस्टर स्थानीय कारीगरों के कौशल विकास, रोजगार सृजन एवं पारंपरिक धातु शिल्प के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्लस्टर के प्रभावी संचालन एवं आर्टिजंस को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयास करने का निर्देश दिया।

एक नजर

बड़कागांव में मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, दवा छिड़काव की मांग

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांवों में इन दिनों मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण ग्रामीणों में मलेरिया, टाइफाइड, खांसी-जुकाम सहित अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक साहू ने मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए संबंधित विभाग एवं प्रशासन से गांवों में समय रहते ही दवा का छिड़काव कराने की मांग की है। अशोक साहू ने कहा कि मच्छरों के प्रकोप पर समय रहते रोकथाम के उपाय नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित गांवों में विशेष अभियान चलाकर दवा का छिड़काव कराने तथा ग्रामीणों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक जागरूकता अभियान चलाने की मांग की।

झंडोत्तोलन से ठीक पहले राष्ट्रीय गीत का होगा गायन

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता दिवस समारोह में एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों में झंडोत्तोलन से ठीक पहले राष्ट्रीय गीत का गायन किया जाएगा। निर्देश के अनुसार वंदेमातरम गीत के सभी छह पैराग्राफ का गायन सुनिश्चित करना है। राष्ट्रीय गीत के ठीक बाद झंडोत्तोलन का कार्यक्रम पूर्ववर्त किया जाएगा। अर्थात झंडे को सलामी के साथ-साथ राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। इस आशय का पत्र कुलपति के निदेर्शानुसार छात्रकल्याण संकायाध्यक्ष कार्यालय से सभी महाविद्यालयों को जारी कर दिया गया है।

पुलिस ने पोक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

चलकुशा : थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अशोक सोरेन (पिता—शिवराम मांझी), निवासी ग्राम मरमगड़ा, केंद्रिया टांड़, थाना बरकट्ठा, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चलकुशा थाना कांड संख्या 71/26 में दर्ज धारा 96, 351(2), 3(5) बीएनएस 2023 तथा धारा 4/8 पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी है। आरोपी की गिरफ्तारी चलकुशा थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

13 माइल में अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ हाइवा, चालक बाल-बाल बचा

बड़कागांव : हजारीबाग मार्ग स्थित 13 माइल के समीप कन्वेयर बेल्ट क्रॉसिंग के पास गुरुवार को हजारीबाग की ओर से तेज गति से आ रहा एक हाइवा वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन चालक बाल-बाल बच गया । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा तेज गति में हजारीबाग की ओर से बड़कागांव की तरफ आ रहा था। इसी दौरान कन्वेयर बेल्ट क्रॉसिंग के पास वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में हाइवा को क्षति पहुंची है, जबकि चालक को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त हाइवा वाहन के मालिक केरेडारी निवासी प्रमोद कुमार बताए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

एस आईआर को लेकर गूगल मीट का हुआ आयोजन

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): एसआईआर 2026 दावा एवं आपत्ती तथा नोटिफिकेशन एवं वेरिफिकेशन से संबंधित बड़कागांव प्रखंड सभागार में बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों का गूगल मीट के माध्यम से एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल संचालन प्रखंड निर्वाचि पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने किया। रामगढ़ जिला निर्वाचन कार्यालय से ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान 5 अगस्त से नए मतदाताओं का मतदाता सूची में नामांकन दर्ज करने की शुरू प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए सभी बीएलओ को निर्देश दी गई। साथ ही 1 अक्टूबर 2026 को 18 साल पूर्ण हो रही है वैसे मतदाता इसके लिए फॉर्म 6 में जन्मतिथि एवं एड्रेस प्रूफ के साथ नामांकन करने की प्रक्रिया बताई गई ।वहीं फार्म 8 में बिखरे हुए परिवार के मतदाताओं को एक साथ एक बुथ में मैचिंग करने, मृत्यु मतदाताओं को हटाने के लिए फार्म 7 को भरने की भीम बताई गई। इसके अलावा नजरिया नक्शा के माध्यम से नो मैपिंग का नोटिस सभी बीएलओ को घर-घर जाकर तामिला करने का भी निर्देश दिया गया। प्रशिक्षण में संजय कुमार, कृष्ण कुमार, शशि चौधरी सहित प्रखंड के 127 बीएलओ एवं पर्यवेक्षक शामिल थे।

पड़रिया में सर्वे करने आए कर्मियों को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): सिरमा पंचायत के पड़रिया गांव में एयरोडायन इंडिया वॉचेज प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य को ग्रामीणों ने रोका एवं सर्वे कार्य के लिए आए लोगों को ग्रामीणों ने बंधक बनाया। मौके पर बड़कागांव थाना के पदाधिकारी ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों में आक्रोश है कि बिना बताए कोई भी कंपनी कैसे हमारे गांव में सर्वे कर रही है। वहीं सर्वे करने आए ड्रोन पायलट मनोज शर्मा ने बताया कि मेरे मैनेजर के द्वारा पड़रिया क्षेत्र में डीजीपीएस और ड्रोन सर्वे करने के लिए कहा गया था। वहीं एनटीपीसी पकरी बरवाडीह माइनस सीनियर मैनेजर मोहम्मद इफान अली ने बताया कि मेरे ही टीम के द्वारा सर्वे किया जा रहा है। अगर ग्रामीण का विरोध है तो आगे वहां सर्वे का काम नहीं किया जाएगा। आगे ग्रामीणों ने कहा कि कुछ दिन पहले पड़रिया में एनटीपीसी के द्वारा गढ़वाल का कार्य किया जा रहा था जिसमें पड़रिया में भारी वाहन लाने से पुलिया टूट गई, जिसे एक सप्ताह के अंदर पुलिया बनाने की बात कही गई थी, जिसे अब तक नहीं बनाया गया है। वहीं सर्वे करने आए कर्मियों के द्वारा, सर्व नहीं करने का लिखित देने पर ग्रामीणों ने सभी को जाने दिया। मौके पर सिरमा पंचायत के उप मुखिया मनोज कुमार और मुखिया प्रतिनिधि मो असीम ने बताया कि एनटीपीसी के द्वारा बिना अंचल एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए सर्वे कार्य कर रही थी जिसे ग्रामीणों ने रोका और दोबारा सर्वे नहीं करने का हिदायत दी।

बरही में स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन कार्यक्रम के समय सारिणी निर्धारित की गई

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर बरही अनुमंडल प्रशासन ने झंडोत्तोलन के समय सारिणी के साथ तैयारियां शुरू कर दी है। बरही अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू की अध्यक्षता में बुधवार को अनुमंडल कार्यालय में हुई बैठक हुई। झंडोत्तोलन कार्यक्रम समारोह की रूपरेखा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। अधिकारियों को साफ-सफाई, सुरक्षा, राष्ट्रगान, सलामी और अन्य तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। 15 अगस्त को झंडोत्तोलन कार्यक्रम को लेकर बरही अनुमंडल मुख्यालय सहित बरही प्रखंड के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में निर्धारित समय सारिणी पर ध्वजारोहण होगा। झंडोत्तोलन कार्यक्रम इस प्रकार है - :एसडीओ आवास कार्यालय में सुबह 7:45 बजे, अनुमंडल कार्यालय में 8 बजे, बरही एसडीपीओ कार्यालय में 8:10 बजे,अवर निबंधक कार्यालय 8.25,बार एसोसिएशन में 8.25 बरही थाने में 8:40 बजे, बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 8:50 बजे, बरही चौक में 9:15 बजे एवं बरही प्रखंड कार्यालय में 9:30 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके साथ ही सुबह 10 बजे प्रखंड मैदान में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित होगा। बरही चौक पर विधायक मनोज कुमार यादव के द्वारा सार्वजनिक रूप से झंडोत्तोलन किया जाएगा। वहीं झंडोत्तोलन कार्यक्रम में थाना प्रभारी को सलामी की व्यवस्था करने तथा कार्यक्रम से पूर्व ध्वज का पूर्वाभ्यास कराने का निर्देश दिया गया है। साथ ही स्वतंत्रता सेनानी की आश्रित कलावती देवी और बेला देवी को सम्मानित किया जाएगा।

फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल महा मुकाबला में जग्गू इलेवन उरेज की टीम ने खिताब पर कब्जा जमाया

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आंगो पंचायत के ग्राम उरेज में यूएफसी क्लब उरेज के द्वारा आयोजित नॉक आउट फुटबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला गुरुवार को खेला गया ।मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, संरक्षक समाजसेवी कोलेश्वर गंझू ने फाइनल मैच का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि का स्वागत स्थानीय ग्रामीण बच्चियों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य एवं गीत गाकर से किया गया। फाइनल मुकाबला देवगढ़ फुटबॉल क्लब और जग्गू इलेवन उरोज के बीच खेल गया। जग्गू 11 उरेज की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए देवगढ़ की टीम को 4-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। रामगढ़ जिला रेफरी एसोसिएशन के रेफरी निशा कुमारी, जतरु बेसरा, जुगेश हेंब्रम, प्रताप ठाकुर, सुरेश राम मैच में निर्णायक की भूमिका में रहे। फाइनल मैच के विजेता जग्गू 11 की टीम को समाजसेवी कोलेश्वर गंझू के द्वारा 50 हजार का पुरस्कार और ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया गया। उपविजेता देवगढ़ की टीम को मुखिया नीलम मिंज के द्वारा 30 हजार का पुरस्कार और ट्रॉफी दे कर सम्मानित किया गया।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का किया गया फुल ड्रेस रिहर्सल, ड्रोन पर रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। समारोह स्थल पर बिना अनुमति ड्रोन से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल अधिकृत विभागीय स्तर से ही ड्रोन के जरिए वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी कराई जा सकेगी।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली सभी औपचारिक गतिविधियों का अभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 15 अगस्त को यहां ध्वजारोहण करेंगे। समारोह की सुरक्षा और संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे समय पर अपने निर्धारित स्थल पर पहुंचे और निर्धारित जिम्मेदारियों को निभाएं। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया और कहा कि समारोह में आने वाले सभी लोगों की सघन जांच की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक सामग्री के साथ कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अधिकारियों ने परेड की सलामी ली। समारोह में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, ओडिशा पुलिस, झारखंड जगुआर, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची जिला पुलिस, झारखंड गृहरक्षा वाहिनी और एनसीसी के बालक-बालिका प्लाटून शामिल होंगे। जैप-1, जैप-10 और गृहरक्षा वाहिनी की बैण्ड पार्टियां भी समारोह में भाग लेंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में फर्स्ट इन कमांड 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी राघवेंद्र शर्मा होंगे, जो वर्तमान में रामगढ़ जिले में पदस्थापित हैं। सेकेंड इन कमांड परिचारी प्रवर द्वितीय अनिश मोमिन कुजूर होंगे। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अधिकारियों को अपने कार्य, दायित्व और प्रतिनियुक्ति स्थल की पूरी जानकारी रखने का निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्य अतिथियों के आगमन की व्यवस्था समय पर पूरा करें।

गलत एडमिशन के आरोप पर डेंटल कॉलेज का ईसी रद्द करना अनुचित : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अवध डेंटल कॉलेज एंड हास्पिटल, जमशेदपुर को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने राज्य सरकार द्वारा 68 छात्रों के बीडीएस में प्रवेश के मामले में कॉलेज का एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट (ईसी) रद्द करने के आदेश को गलत ठहराते हुए रद्द कर दिया है। साथ ही नेशनल डेंटल कमीशन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कॉलेज के सभी यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन पर रोक लगाने की कार्रवाई को भी गलत माना है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया और अधिवक्ता कुमार वैभव ने पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट केवल सीमित परिस्थितियों में ही वापस लिया जा सकता है, जैसे प्रमाणपत्र धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया हो, जिस आधार पर प्रमाणपत्र जारी हुआ था वह आधार ही समाप्त हो गया हो या इसी प्रकृति का कोई अन्य गंभीर कारण हो। मौजूदा मामले में ऐसा कोई आधार नहीं पाया गया। 19 जनवरी 2018 के एसेंशियलिटी सर्टिफिकेट को रद्द करने का राज्य सरकार का आदेश टिकाऊ नहीं है। इसी तरह कॉलेज के सभी पाठ्यक्रमों में 2026-27 के दाखिले पर रोक लगाने की नेशनल डेंटल कमीशन की कार्रवाई भी गलत है। हालांकि कोर्ट ने 68 छात्रों के दाखिले की वैधता पर अदालत ने कोई अंतिम घोषणा नहीं की और इस मुद्दे को नेशनल डेंटल कमीशन की स्वतंत्र जांच के लिए छोड़ दिया।

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी कल निकालेंगे भव्य तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और पेपर लीक के खिलाफ अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन आंदोलन गुरुवार को 20वें दिन भी जारी है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में डटे अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। 20वें दिन आंदोलनकारियों ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि तिरंगा यात्रा के जरिए वे लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम आयोजित कर मांगों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश

रविंद्र पासवान ने कहा है कि सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने के लिए हर दिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुवार शाम को भी इसी तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पासवान ने कहा कि कार्यक्रमों के जरिए सरकार को यह संदेश दिया जा रहा है कि 20 दिन बीत जाने के बावजूद छात्र अपनी मांगों को लेकर आंदोलन स्थल पर डटे हुए हैं। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधियों के साथ अब तक दो दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन इसके बाद बातचीत के लिए कोई बुलावा नहीं आया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे हर दिन इस उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी और उन्हें दोबारा वार्ता के लिए बुलाया जाएगा।

मारवाड़ी कॉलेज के 11 विद्यार्थियों का एफडी ट्रेनर पद पर हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मारवाड़ी कॉलेज के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में फैशन डिजाइनिंग विभाग के 11 विद्यार्थियों का चयन एफडी ट्रेनर के पद पर हुआ है। विद्यार्थियों का चयन झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन सोसाइटी द्वारा मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत संचालित निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्रों के लिए किया गया है। चयनित विद्यार्थियों को मांडर, रांची, तेनुघाट, बेरमो, बोकारो, इचाक और हजारीबाग स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण देने का अवसर मिलेगा। कैंपस प्लेसमेंट के दौरान चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरण आयोजित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों की योग्यता, विषय-ज्ञान, तकनीकी कौशल और प्रशिक्षण देने की क्षमता का आकलन किया गया। सभी चरण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 11 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में कशिश कुमारी, सोनल राज, प्रेरणा वैभव, मोहम्मद कैफ, पूजा कुमारी, अदिति प्रकाश, सिमरन साहू, प्रीति कुमारी, प्रियंका कुमारी, देविका रानी और तन्वी राज शामिल हैं। इस उपलब्धि पर मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और रोजगार के अवसर भी विद्यार्थियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, कौशल और निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। फैशन डिजाइनिंग विभाग की एचओडी डॉ. डेजी सिन्हा व किरण मैम ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कॉलेज का प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

हाई कोर्ट ने 12 फीट से कम ऊंचाई वाले होर्डिंग हटाने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने सड़क किनारे और डिवाइडर पर लगे विज्ञापन होर्डिंग, यूनिपोल, मोनोपोल व प्लेकार्ड को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया है कि स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर लगे सभी विज्ञापन बोर्ड तत्काल हटाए जाएं और उन्हें 12 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगाया जाए। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंद सेन की कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। झारखंड स्टेट आउटडोर एडवरटाइजिंग एसोसिएशन सहित दो रिट याचिकाओं की सुनवाई हाईकोर्ट ने की। कोर्ट ने दोनों मामलों में प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले पर सुनवाई के लिए अगले सप्ताह निर्धारित की। निगम ने विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने रांची नगर निगम को निर्देश दिया कि डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से कम ऊंचाई पर लगाए गए सभी विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड हटाए जाएं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क के डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभों पर कोई विज्ञापन बोर्ड लगाया जाता है, तो उसका कोई भी हिस्सा सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान विज्ञापन एजेंसियों की ओर से कहा गया कि सभी होर्डिंग, मोनोपोल और यूनिपोल को हटाने का निर्देश दिया गया है। एजेंसियों का कहना था कि निगम को कम से कम यह बताना चाहिए कि कौन-कौन से होर्डिंग खतरा पैदा कर रहे हैं, क्योंकि सभी होर्डिंग को खतरे की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

लाभुक महिला समूह को कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सौंपे ट्रैक्टर, डेटा अपडेट का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जल संरक्षण और मृदा संरक्षण अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मंत्री जेएमटीटीसी भवन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुई। कार्यशाला का आयोजन भूमि संरक्षण निदेशालय ने किया। मंत्री ने भूमि संरक्षण योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। सभी योजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने तालाब, पकोलेशन

टैंक, डीप बोरिंग और BPCD के काम में तेजी लाने को कहा। पिछले वर्ष की देनदारियों का भुगतान अगस्त के अंत तक करना का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि काम पूरा नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन यानी स्टअट की भी समीक्षा हुई। मंत्री ने इस वर्ष 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा करने के लिए अभी से कार्ययोजना बनाएं। पिछले वर्ष के पात्र आवेदनों पर भी विचार करने को कहा। केवल स्वीकृति नहीं मिलने के कारण पुराने आवेदनों को खारिज नहीं करने का निर्देश दिया। तालाब जीर्णोद्धार योजना पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने पिछले वर्ष की अनुशंसाओं को शामिल करने को कहा। किसी अनुशंसा को लेकर भ्रम होने पर संबंधित विधायक से संपर्क करने का निर्देश दिया।15 अगस्त के बाद सभी जिलों में कार्यशाला आयोजित करने को कहा। इसमें जिला परिषद सदस्य, प्रमुख, मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। मंत्री ने पिछले पांच वर्षों में पूरी हुई योजनाओं का Social Impact Study कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना की सफलता केवल निर्माण से तय नहीं होगी। यह देखना होगा कि किसानों और ग्रामीणों को कितना फायदा हुआ। कृषक मित्र और VLW के माध्यम से लाभुक समितियों से संवाद करने को कहा गया। योजनाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने का निर्देश दिया। मंत्री ने भूमि संरक्षण निदेशालय को अहम निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में किए गए सभी कार्यों का पूरा डाटा वेबसाइट पर दर्ज किया जाए। डाटा को अपडेट रखने को कहा गया। इससे योजनाओं की जानकारी आम लोगों को मिल सकेगी। पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी।

एक नजर

युवक का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

रांची : रांची जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लाइब्रेरी के पास गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस युवक की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगा रही है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार की सुबह युवक को लाइब्रेरी के पास बेसुध अवस्था में देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही मौत के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

बच्चे को स्कूल लेने पहुंचे डॉक्टर पर डंडे से हमला का आरोप

रांची : जिले के सिमलिया स्थित लीवेंस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बच्चे को लेने पहुंचे अभिभावक पर डंडे से हमला किया गया है। इस संबंध में पीड़ित डॉ. दीपक कुमार ने रातू थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। थाने में दी गई शिकायत के अनुसार, स्कूल परिसर में एक अभिभावक ने उनकी पत्नी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया। जिसका डॉ. दीपक कुमार ने विरोध किया। इस घटना के बाद आरोपी बाहर चला गया। आरोप है कि जैसे ही डॉक्टर स्कूल से बाहर निकले, आरोपी ने उनके सिर पर डंडे से वार कर दिया। हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और खून बहने लगा। डॉ. दीपक ने पुलिस को आरोपी की तस्वीर और वाहन का नंबर उपलब्ध कराने की बात कही है। शिकायत के आधार पर रातू थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

डूरंड कप : जमशेदपुर एफसी ने इंडियन एयर फोर्स को 6-0 से हराया

रांची : बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में गुरुवार को डूरंड कप के 135वें संस्करण के ग्रुप-सी का मुकाबला जमशेदपुर एफसी और इंडियन एयरफोर्स के बीच खेला गया। शाम 4 बजे शुरू हुए मैच में जमशेदपुर एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन एयरफोर्स को 6-0 से हरा दिया। मैच की शुरुआत से ही जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने बेजोड़ प्रदर्शन दिखाया। 4 बजकर 12 मिनट में जमशेदपुर एफसी ने पहला गोल दागकर इंडियन एयरफोर्स पर दबाव बना दिया। पहले हाफ में इंडियन एयरफोर्स को बराबरी का मौका भी मिला, लेकिन गेंद गोलपोस्ट के बजाय बाहर निकल गई। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में जमशेदपुर के खेल प्रेमी स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान ढोल नगाड़ा और मांदर बजाकर और दर्शक सीटी और तालियों के साथ दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते दिखे। मैच के दौरान स्टेडियम में फुटबॉल प्रेमियों का जोश देखने देखने लायक थी। जमशेदपुर एफसी ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा कायम रखा। 54 मिनट 28 सेकेंड में टीम ने दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद इंडियन एयरफोर्स पर दबाव और बढ़ गया। जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने लगातार खेल प्रदर्शन जारी रखा और 63 मिनट 37 सेकेंड में शानदार तीसरा गोल दाग दिया। इसके साथ ही टीम ने इंडियन एयरफोर्स पर 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली। मैच में जमशेदपुर एफसी का प्रदर्शन शुरू से ही प्रभावी रहा। 70 मिनट 23 सेकेंड में जमशेदपुर की टीम ने चौथा गोल भी लगा दिए और 4-0 से बढ़त बना ली। 79 मिनट 34 सेकेंड में 5 गोल दाग दिए। 83 मिनट 54 सेकेंड में छठा गोल दागा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के मझगांव में सबसे अधिक 183 मिमी बारिश दर्ज

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य भर में इन दिनों अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में 183.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। यह जानकारी गुरुवार को मौसम विभाग ने दी। विभाग के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री बोकारो में और सबसे कम न्यूनतम तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर बाद रांची के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 17 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। साथ ही 14 अगस्त को राज्य के 06 जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की जानकारी दी गई है। विभाग ने जिन 06 जिलों में भारी बारिश होने का अनुभव अनुमान व्यक्त किया है उनमें सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, लातेहार शामिल हैं।

चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी सहित पांच को ईडी का समन

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह सहित पांच लोगों को समन जारी किया है। ईडी ने जिन पांच लोगों के खिलाफ समन जारी किया है, उसमें एलबी सिंह के तीन रिश्तेदार और अनिल गोयल से जुड़े दो लोग शामिल हैं। ईडी ने समन जारी कर एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, भाई विश्वविजय सिंह और साले रंजीत कुमार सिंह को समन जारी किया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को समन जारी किया गया है। एलबी सिंह की पत्नी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में 20 अगस्त को बुलाया गया है। विश्वविजय सिंह के 14 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह को 17 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को भी अगले सप्ताह हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के खिलाफ दूसरे दौर की छापेमारी की थी। इसके दायरे में चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था। छापेमारी के दौरान एलबी सिंह से जुड़े 160 करोड़ रुपये के निवेश को फ्रीज कर दिया गया था। इसके अलावा विभिन्न ठिकानों से 200 से अधिक सेल डीड जब्त किये गये थे। छापेमारी में मिले सेल डीड की जांच जारी है।

बांधगाड़ी में 2.02 एकड़ सरकारी जमीन से हटेगा अतिक्रमण, तालाब व ग्रीन पैच बनाने की तैयारी

रांची : राजधानी रांची के वार्ड नंबर-6 स्थित बांधगाड़ी में 2.02 एकड़ सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसको लेकर नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने इलाके का निरीक्षण किया और अतिक्रमण की गई जमीन को चिह्नित किया। साथ ही अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने और जमीन के बेहतर इस्तेमाल की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। जानकारी के अनुसार, 2.02 एकड़ सरकारी जमीन सरकारी जमीन को जनोपयोगी बनाने की तैयारी है। यहां जमीन के एक हिस्से में तालाब बनाने और ग्रीन पैच बनाया जाएगा। साथ ही पूरे इलाके में साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर करने की योजना है। नगर आयुक्त ने बांधगाड़ी स्थित सामुदायिक भवन और वार्ड कार्यालय का भी जायजा लिया। उन्होंने सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण के साथ वहां जरूरी सुविधाएं बढ़ाने और हाईमास्ट लाइट लगाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने कहा कि सरकारी जमीन को अतिक्रमण से बचाना जरूरी है। इसका सही और जनहित में इस्तेमाल नगर निगम की प्राथमिकता है। जमीन को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

विधानसभा घेराव के दौरान पथराव और बैरिकेडिंग तोड़ने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

रांची : झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान पथराव और बैरिकेडिंग तोड़ने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। विधानसभा थाना में दर्ज प्राथमिकी में अज्ञात प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है। तैनात मजिस्ट्रेट के आवेदन पर दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि 10 अगस्त को जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर हजारों की संख्या में छात्रों और कुछ संगठनों ने विधानसभा का घेराव किया था। पुलिस-प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के तहत छात्रों को विधानसभा तक पहुंचने से रोकने के लिए कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और प्रशासन की ओर से लगाए गए बैरिकेडिंग को गिराते हुए नए विधानसभा भवन तक पहुंच गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान प्रदर्शनकारी पुलिस के साथ उलझ गए और पथराव भी किया। प्राथमिकी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों की ओर से किए गए पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए। मामले में पुलिस ने अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन अब घटना के दौरान बनाए गए वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर प्रदर्शनकारियों की पहचान करने की प्रक्रिया में जुट सकता है। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों ने 10 अगस्त को विधानसभा घेराव का मार्च निकाला था। प्रदर्शन को देखते हुए विधानसभा के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की ओर से 50 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू की गई थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी विधानसभा के पास पहुंच गए थे।

एक नजर

डी.ए.वी. सेक्टर-4 में गूँजा देशभक्ति गीतों एवं राष्ट्रप्रेम का रंग

बोकारो : आज डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में सत्र 2026-27 के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय देशभक्ति समूह गीत प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह, उमंग एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, शौर्य, त्याग एवं मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन प्रस्तुतीकरण, विषय-वस्तु, लय एवं ताल, अभिव्यक्ति एवं गतिशीलता तथा समग्र प्रदर्शन जैसे विभिन्न मानदंडों के आधार पर किया गया। निर्णायक मंडल में श्री विशाल कुमार गोस्वामी एवं श्री विशाल कुमार वर्मा शामिल थे। निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर दयानंद हाउस ने ऐ मेरे वतन के लोगों गीत की अद्भुत एवं भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं विवेकानंद हाउस ने माँ से है माटी, माँ से है माथा गीत की मधुर प्रस्तुति से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विरजानंद हाउस ने न झुकेगा देश अपना, न झुकेंगे हम कभी गीत की बेजोड़ प्रस्तुति के बल पर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आरपीवाई बीएड कॉलेज ने निकाला तिरंगा यात्रा

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के बैनर तले तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी मो. सेराज ने किया। यात्रा में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया प्रशिक्षुओं ने फरेंदा, छोटकीबागी, बड़कीबागी, मरियमपुर सहित आसपास के गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, वीर शहीद अमर रहें आदि देशभक्ति नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। प्रशिक्षुओं ने ग्रामीणों को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए।

तीन माह में हुआ 1663 मामलों का निष्पादन

बोकारो : बोकारो पुलिस ने तीन माह में जो उपलब्धियां हासिल किया है वो काबिले तारीफ है। मई से जुलाई माह तक पूरे जिले में 1023 मामले प्रतिवेदित हुए हैं, प्रतिदित मामले से 163 प्रतिशत अधिक 1663 मामले निष्पादित हुए हैं। इस की जानकारी देते हुए मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने समन्वय बनाकर काम किया है जिसका यह नतीजा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी बेहतर किए हैं। इससे अधिक लाभ आम पब्लिक को मिलेगी, उन्हें थाना में न्याय के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। डिस्पोजल आंकड़े बताते हैं कि अपहरण के 119, दहेज एवं महिला उत्पीड़न के 129, हत्या व आत्महत्या के 30, ठगी और गबन के 63, शराब से संबंधित 12, पोक्सो के 20, कोयला बालू तस्करी के 43, अवैध हथियार के 05, छिनतई के 05, पशु क्रूरता के 09, साइबर ठगी के 08, नक्सल के 15, एससी/एसटी के 45, ब्लात्कार के 18, लुट और डकैती के 08, गांजा एवं अफीम के 04, जबकि वाहन चोरी के 111, चोरी के 132 ,गृहभेदन के 81, सड़क दुर्घटना के 156 और अन्य घटना से संबंधित 650 मामले निष्पादित किए गए हैं।

ज्ञान के प्रति जिज्ञासा और मेहनत जरूरी विद्यार्थी अपनी क्षमता को निखारें : प्रिय रंजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान-विज्ञान और गणित के क्षेत्र में समृद्ध रहा है। आर्यभट्ट जैसे महान गणितज्ञों ने सीमित संसाधनों के दौर में अपनी प्रतिभा, चिंतन और खोज के बल पर दुनिया को नई दिशा दी। आज के विद्यार्थियों में भी वास्तविक ज्ञान हासिल करने की ऐसी ही जिज्ञासा और लगन होनी चाहिए। विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचानें और उन्हें लगातार निखारने का प्रयास करें, ताकि भविष्य में पूरी दुनिया उन पर गर्व करे। यह बात बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने गुरुवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में आयोजित आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

उन्होंने आर्यभट्ट के गणित और ज्योतिष के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख करते हुए दशमलव और द्विआधारी पद्धति सहित गणित के विकास की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में मोबाइल, गूगल या अन्य आधुनिक तकनीकी साधन उपलब्ध नहीं थे, इसके बावजूद हमारे पूर्वजों ने चिंतन, अध्ययन और शोध के माध्यम से महत्वपूर्ण खोजें कीं। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और डीपीएस बोकारो द्वारा वर्ष 1988 से लगातार आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की सराहना की।

डीपीएस बोकारो की ओर से 37 वर्षों से आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के विद्यालयवार और समग्र वर्ग के 45 विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में झारखंड और बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा के विभिन्न विद्यालयों के करीब 1,400 विद्यार्थियों ने जूनियर, मिडिल और सीनियर वर्ग में हिस्सा लिया था।

समग्र जूनियर वर्ग में 15, मिडिल वर्ग में 19 और सीनियर वर्ग में 11 विद्यार्थियों को पुरस्कार मिला। तीनों वर्गों में डीपीएस बोकारो का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। हालांकि मेजबान विद्यालय होने के कारण विजेता का खिताब निकटवर्ती प्रतिभागी विद्यालय को दिया गया। जूनियर और मिडिल वर्ग की विजेता ट्रॉफी हेम शीला मॉडल स्कूल, दुर्गापुर को तथा सीनियर वर्ग की ट्रॉफी चिन्मय विद्यालय, बोकारो को प्रदान की गई। सभी विजेताओं को प्रिय रंजन और विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने ट्रॉफी और स्थान के अनुसार पुरस्कार राशि का चेक देकर सम्मानित किया।

स्वागत संबोधन में प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन का सिलसिला आगे भी जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता और गणितीय कौशल को पहचानना और विकसित करना है। उन्होंने कहा कि गणित आज के आंकड़ा विज्ञान की आधारभूत भाषा है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में गणित के प्रति डर दूर कर इस विषय में रुचि और आनंद पैदा करने का प्रयास किया जाता है।

समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भी सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के स्वागत और दीप प्रज्ज्वलन के बाद स्वागत गान और विद्यालय गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद जमुना सदन के विद्यार्थियों ने पूर्वोत्तर भारत के लोक-शास्त्रीय मणिपुरी नृत्य और रूस के कलिनका नृत्य का सुंदर मिश्रण पेश किया।

कार्यक्रम के दौरान डीपीएस बोकारो की ओर से निःशुल्क संचालित महिला स्वावलंबन केंद्र ह्यकोशिशह्व में प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं और युवतियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि प्रिय रंजन ने सामाजिक उत्थान और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न और शॉल भेंटकर सम्मानित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जेजे कॉलेज में चौथे दिन भी जारी रहा धरना, तालाबंदी से काम काज ठप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जेजे कॉलेज में चल रहे अनिश्चितकालीन धरना और तालाबंदी चौथे दिन भी जारी रहा। मुख्य द्वार पर चल रहे धरना में दर्जनों छात्र-छात्रा के अलावे जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के लोग सम्मिलित रहें। मुख्य गेट पर तालाबंदी से प्रशासनिक व शैक्षणिक कार्य पूर्ण रूप से ठप रहे। धरना व तालाबंदी के चौथे दिन जेजे कॉलेज की छात्रा संजना कुमारी एवं राखी कुमारी के नेतृत्व में आंदोलन किया गया।छात्रों को संबोधित करते हुए संजना कुमारी एवं राखी कुमारी ने कहा कि कोडरमा के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोडरमा के सांसद-विधायक महिला है, इसके बाबजूद भी छात्राओं का भविष्य दांव पर लगा है।उन्होंने कहा कि देश मे नई शिक्षा नीति लागू है और उच्च शिक्षा के लिए छात्र छात्राओं को हर सेमेस्टर में विश्वविद्यालय जाना ही होगा।लेकिन कोडरमा के छात्र-छात्राओं को सुगम यातायात व्यवस्था वाले उतरी छोटानागपुर के मुख्यालय की जगह दुर्गम इलाके में बने मुश्किलों भरे यातायात रुट वाले इलाके गिरिडीह से भी 15 किमी दूर जाना होगा। सरकार की गलत नीति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की असंवेनशील रवैया के कारण भविष्य में हजारों छात्रों को पढ़ाई ड्रॉप आउट होने की संभावना बढ़ जाएगी।छात्राओं ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए आंदोलन की एकमात्र रास्ता है, उन्होंने जेजे कॉलेज समेत जिलेभर के छात्र-छात्राओं से आंदोलन में उतरने की अपील किया। इधर समिति के अध्यक्ष महेश भारती एवं सचिव देवेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय महापर्व जश्ने आजादी के मद्देनजर 14-15 अगस्त को जेजे कॉलेज कार्यालय को तालाबंदी से मुक्त रखा गया है। महापुरुषो के बलिदान और देशभक्ति के जज्बा के साथ स्वतंत्रता दिवस के बाद तालाबंदी-धरना जारी रहेगा। आंदोलन को धारदार बनाने को लेकर 16 अगस्त को जेजे कॉलेज में 4 बजे से कोर कमेटी व जेनरल बॉडी मीटिंग आयोजित की जाएगी। इसमे आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी।मौके पर जूही दास गुप्ता, सुरेंद्र भाई मोदी, रामकुमार बर्णवाल, तौफीक हुसैन, अंजलि यादव आदि मौजूद थे।

जयनगर हाट-बाजार में चला विशेष स्वच्छता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : जिला परिषद के तत्वावधान में गुरुवार को जयनगर हाट-बाजार परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बाजार परिसर में व्यापक साफ-सफाई कर कचरा एवं गंदगी को हटाया गया। जिला परिषद प्रशासन ने अभियान का उद्देश्य हाट-बाजार को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखना तथा लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना बताया।

स्वच्छता अभियान के दौरान प्रशासन की ओर से बाजार के दुकानदारों, फुटपाथ विक्रेताओं एवं आम नागरिकों से बाजार परिसर में गंदगी नहीं फैलाने की अपील की गई। लोगों से कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और नियमित साफ-सफाई में प्रशासन का सहयोग करने को कहा गया।

प्रशासन ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। दुकानदारों एवं नागरिकों के सहयोग से हाट-बाजार को स्वच्छ और व्यवस्थित रखा जा सकता है। वहीं, हाट-बाजार के संचालन में इच्छुक व्यक्ति या संस्थाएं जिला परिषद द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली निविदा (टेंडर) के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भाग ले सकते हैं। जिला परिषद प्रशासन ने जनभागीदारी के माध्यम से जयनगर हाट-बाजार को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में सभी से सहयोग की अपील की है।

ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के जैना मोड़ में ऑनलाइन गेमिंग जुआ का संचालन कर भोले-भाले लोगों को लालच देकर अवैध कमाई करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में जैना मोड़ निवासी प्रलव कुमार सिंह (24), सेंटी कुमार (26) और आनंद कुमार (23) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, तीनों विभिन्न प्रतिबंधित ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा वेबसाइटों के माध्यम से ग्राहकों को जोड़कर जुआ संचालित करते थे। ग्राहकों को गेमिंग आइडी उपलब्ध कराकर उनसे लेनदेन और कमीशन के जरिए आर्थिक लाभ कमाया जाता था।

पुलिस अधीक्षक बोकारो को 12 अगस्त को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया। दल ने जैना मोड़ स्थित एक कमरे में छापेमारी कर तीनों आरोपितों को पकड़ लिया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ऑनलाइन जुआ संचालन की जानकारी सामने आई। पुलिस ने मौके से तीन एंड्राइड मोबाइल, एक आइफोन, 10,100 रुपये नकद, चार डेबिट/पेमेंट कार्ड और ग्राहकों से संबंधित डाटा वाली दो नोटबुक बरामद की हैं।

डीपीएस चास में दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर विद्यार्थियों को दिया स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास, बोकारो : विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और नेत्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल चास, बोकारो में 12 और 13 अगस्त को दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। विद्यालय की ओर से संजीव नेत्रालय एलएलपी, बोकारो के सहयोग से आयोजित शिविर में विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की भी आंखों की जांच की गई। जांच के बाद आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

शिविर में डॉ. दीपिका सिंह, एमएस, शंकर नेत्रालय की फेलो एवं वरिष्ठ मोतियाबिंद शल्य चिकित्सक तथा उनकी टीम ने नेत्र परीक्षण किया और जरूरी चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया। इस दौरान दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच के साथ आंखों की नियमित देखभाल के उपाय भी बताए गए। विद्यार्थियों को लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य पर्दे वाले उपकरणों के इस्तेमाल से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक किया गया।

चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को आंखों की स्वच्छता बनाए रखने, पर्याप्त रोशनी में पढ़ाई करने और मोबाइल तथा अन्य पर्दे वाले उपकरणों का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। आंखों में किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने के लिए भी प्रेरित किया गया।

विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद जरूरी है। आंखें शिक्षा और दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं।

संविदा कर्मियों को मिलेंगे नियमित कर्मचारियों जैसे सुरक्षा उपकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए संविदा कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। अब बीएसएल में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक और गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे पहले संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण संबंधित ठेकेदारों की ओर से उपलब्ध कराए जाते थे।

सेल समेत देश के इस्पात उद्योग में इस तरह की पहल पहली बार बोकारो स्टील प्लांट की ओर से की गई है। मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने इसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बीएसएल की यह पहल संविदा कर्मियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के साथ सुरक्षा उपकरणों की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाने पर आधारित है। इसके तहत सुरक्षा उपकरणों के जारी करने, वितरण, वापसी और दोबारा जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इससे उपकरणों की उपलब्धता और वितरण की निगरानी पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी।

कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने पहल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मियों को पहली बार बड़े स्तर पर नियमित कर्मचारियों के समान गुणवत्ता और निर्धारित मानकों वाले सुरक्षा उपकरणों की किट उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम में शीर्ष प्रबंधन ने संविदा कर्मियों को सुरक्षा किट प्रदान कर व्यवस्था का औपचारिक शुभारंभ किया।

निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने कहा कि बीएसएल परिसर में काम करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह नियमित कर्मचारी हो या संविदा कर्मी, सुरक्षित कार्य वातावरण का हकदार है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि संगठन के मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना मजबूत और समावेशी सुरक्षा संस्कृति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नई व्यवस्था से सुरक्षा उपकरणों के उपयोग और उपलब्धता की प्रभावी निगरानी हो सकेगी। साथ ही आवश्यकता के अनुसार समय पर उपकरण उपलब्ध कराने में भी सुविधा होगी। तकनीक के इस्तेमाल से सुरक्षा प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संविदा कर्मियों को दी जाने वाली सुरक्षा किट में सुरक्षा हेलमेट, हल्के पॉलीकार्बोनेट चश्मे, डिस्पोजेबल रेस्पिरेटर, सुरक्षा जूते, अग्निरोधी जैकेट और पतलून, कानों के लिए प्लग तथा कैनवास दस्ताने शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में गुरुवार को उरवां, चंदवारा पश्चिमी(बाराटांड) और जामू खाड़ी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने कहा कि अगर देश के युवा सशक्त होंगे तो भारत सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि यदि युवा शिक्षित और संस्कारी होंगे तो घर समाज एवं देश सशक्त होगा। उन्होंने युवाओं एवं नाबालिक को नशीले पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों तथा इसे संबंधित कानून की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे के कारण अपराध बढ़ती है, घर टूटता है । इससे बचने की जरूरत है। नशा आज समाज की सबसे बड़ी सामाजिक बुराइयों में से एक बन चुका है। उन्होंने बताया कि नशे के कारण अपराध, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाएं और आर्थिक तंगी बढ़ रही है। विशेष रूप से युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। जो उनके भविष्य और करियर को अंधकार में धकेल रही है। वही नशे के सेवन से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है और सही गलत के बीच फर्क का पता नहीं चलता है। नशा से पूरा परिवार बिखर जाता है इससे सामाजिक आर्थिक और मानसिक क्षति होती है। एल.ए.डी.सी.एस डिप्टी चीफ किरण कुमारी ने आईटी एक्ट से संबंधित जानकारी दी । अधिवक्ता अश्विनी शरण ने भी कई कानून एवं युवाओं को कैसे सशक्त बनाया जाए इस पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मौके पर न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह, संतोष कुमार पंचायत की मुखिया, पीएलवी केलवे दर्जन ऑन महिला पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास, उपायुक्त ने तिरंगे को दी सलामी

बोकारो : जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने मुख्य समारोह को सफल, भव्य और गरिमामय बनाने के लिए परेड सहित अन्य तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समारोह के दौरान अनुशासन, सुरक्षा और व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन पर विशेष ध्यान देने को कहा। पूर्वाभ्यास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जिला बल पुरुष, जिला बल महिला, गृह रक्षक बल, चौकीदार पुरुष दल, डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, 8/बी राष्ट्रीय कैडेट कोर, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चास, जीजीपीएस स्कूल सेक्टर-5 और एमजीएम स्कूल सेक्टर-4 की प्लाटूनों ने हिस्सा लिया। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित समय के अनुसार शानदार प्रदर्शन करते हुए परेड का सफल पूर्वाभ्यास किया। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह की आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतिम पूर्वाभ्यास के दौरान सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। संभावित बारिश को देखते हुए एहतियात के तौर पर अतिरिक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। समारोह में आने वाले अतिथियों और आम लोगों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रवेश द्वारों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे। पुलिस लाइन मैदान की रंगाई-पुताई का काम भी पूरा कर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पूरे परिसर को स्वतंत्रता दिवस की भावना के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित शौचालय का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों को परिसर की साफ-सफाई और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नए शौचालय से परेड में शामिल जवानों और अधिकारियों के साथ समारोह में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला नजारत उप समाहर्ता राज शर्मा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैंप के लिए ग्रिजली विद्यालय की दो छात्राओं का चयन

तिलैया : डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के लिए यह गौरव का क्षण है कि विद्यालय की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का चयन झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैंप के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ी 10 सितंबर से रांची के खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कैंप में हिस्सा लेंगी। दोनों छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तरीय फुटबॉल टीम कैंप के लिए उनका चयन विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को मिल रहे प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस उपलब्धि में विद्यालय की फुटबॉल प्रशिक्षक आशा कुमारी का विशेष योगदान रहा। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रहीं आशा कुमारी के कुशल प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रोत्साहन ने दोनों छात्राओं को अपने खेल कौशल को निखारने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त संदेश में कहा, अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैंप के लिए चयन पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं अनुशासन विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमें विश्वास है कि दोनों छात्राएँ रांची खेलगांव में आयोजित कैंप में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय एवं झारखंड का गौरव बढ़ाएँगी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर समन्वयक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, बनानी नियोगी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट्स सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रीतम हरि सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने दोनों छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रशिक्षक आशा कुमारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने दोनों खिलाड़ियों को 10 सितंबर से रांची खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कैंप के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं खेल भावना के बल पर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी और भविष्य में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रिजली विद्यालय एवं राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी।

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस पर बगोदर-सरिया में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

सरिया : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बगोदर-सरिया अनुमंडल क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं संस्थानों में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 अगस्त को अनुमंडल पदाधिकारी के गोपनीय शाखा कार्यालय, बगोदर में सुबह 8:45 बजे, प्रखंड कार्यालय बगोदर में 9 बजे, बगोदर थाना में 9:20 बजे तथा अनुमंडल कार्यालय बगोदर-सरिया में 9:30 बजे झंडोत्तोलन होगा। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में 9:45 बजे, प्रखंड कार्यालय सरिया में 10 बजे, वन क्षेत्र पदाधिकारी कार्यालय में 10:15 बजे, पुलिस निरीक्षक कार्यालय सरिया में 10:30 बजे, सरिया थाना में 10:45 बजे तथा सरिया स्टेडियम में सुबह 11 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। अनुमंडल प्रशासन ने सभी संबंधित कार्यालयों एवं संस्थानों के प्रधानों को निर्धारित समय पर झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है।

दस कर्म में सूखा राशन देकर जलेंद्र प्रशाद ने किया सहयोग

अनगड़ा : गेतलसूद मंडल के मंत्री बेंती निवासी गांधिया करमाली के बड़े भाई दसइयां करमाली,ओबर निवासी मंत्री सुमित्रा देवी के ससुर चुन्दा बेदिया एवं नवागढ़ शक्तिकेंद्र के रंगामाटी बूथ के पूर्व बूथ अध्यक्ष सुखराम बेदिया का पिछले दिनों देहांत हो गया था। मंडल अध्यक्ष सोहराय बेदिया के निवेदन पर उनके आवास पर जाकर पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने संवेदना व्यक्त की एवं श्राद्ध में सहयोग के लिए राशन एवं नगद प्रदान किया। उनके साथ में एस टी मोर्चा जिलाध्यक्ष बुधराम बेदिया, मंडल उपाध्यक्ष बन्नू बेदिया, पूर्व ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ब्रजकिशोर प्रसाद, मंडल मंत्री सुमित्रा देवी, महामंत्री दिलीप मिर्धा, गुदुआ बेदिया, दीपक बेदिया, चूंदी बेदिया, सुरनाथ बेदिया, श्यामसुंदर बेदिया गोकुल करमाली आदि रहे।

सहारा समूह की सहकारी समिति को उपभोक्ता आयोग ने दिया 5.85 लाख भुगतान का आदेश

जमा राशि और ब्याज नहीं लौटाने पर उपभोक्ता आयोग ने सुनाया फैसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने सहारा समूह से संबद्ध हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के खिलाफ दायर उपभोक्ता मामले में गुरुवार को शिकायतकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने सेवा में कमी और उपभोक्ता के प्रति लापरवाही को जिम्मेदार मानते हुए समिति को 03 लाख 63 हजार रुपये की जमा राशि के साथ बकाया ब्याज, मानसिक प्रताड़ना और मुकदमा खर्च सहित कुल 05 लाख 85 हजार 425 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह राशि शिकायतकर्ता कृष्णा चटर्जी को आदेश की तारीख से 45 दिनों के भीतर देनी होगी। यह मामला चाईबासा के गुटुसाई मुहल्ला निवासी कृष्णा चटर्जी ने दायर किया था। उन्होंने हमारा

इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में मामला दर्ज कराया था।

शिकायत में बताया गया कि कृष्णा चटर्जी की मां स्वर्गीय पुतुल चटर्जी ने 28 जून 2019 को सहकारी समिति की योजना में 03 लाख 63 हजार रुपये जमा किए थे। इस राशि की परिपक्वता तिथि 28 जून 2024 निर्धारित थी और कृष्णा चटर्जी को नॉमिनी बनाया गया था। हालांकि, परिपक्वता अवधि पूरी होने से पहले ही 12 फरवरी 2024 को पुतुल चटर्जी का निधन हो गया। इसके बाद नॉमिनी होने के बावजूद कृष्णा चटर्जी को जमा राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज नहीं दिया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, समिति की ओर से शुरूआत में तीन बार 3,328 रुपये की मासिक ब्याज राशि का भुगतान किया गया, लेकिन इसके बाद भुगतान रोक दिया गया। जमा राशि और बकाया ब्याज के भुगतान के लिए परिजनों ने समिति को पत्राचार भी किया, लेकिन उनकी मांग पर कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि नोटिस प्राप्त होने के बावजूद समिति की ओर से सुनवाई में उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखा गया। 21 अक्टूबर 2025 को नोटिस मिलने के बाद भी लगातार अवसर दिए जाने के बावजूद समिति का कोई प्रतिनिधि आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद 21 जनवरी 2026 को आयोग ने मामले की सुनवाई एकतरफा करने का आदेश दिया। आयोग ने मामले में प्रस्तुत बॉन्ड, स्वर्गीय पुतुल चटर्जी का मृत्यु प्रमाण पत्र, समिति को भेजे गए पत्र, बैंक पासबुक, अन्य दस्तावेज और शिकायतकर्ता के शपथपत्र का परीक्षण किया।

डिमना लेक में रेल सिविल डिफेंस टीम ने सीखा जल आपदा में रेस्क्यू का हुनर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जल दुर्घटनाओं, बाढ़ और डूबने की घटनाओं के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव अभियान चलाने के लिए रेल सिविल डिफेंस टीम को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। गुरुवार को डिमना लेक में आयोजित वाटरमैनशिप प्रशिक्षण के दौरान सिविल डिफेंस के जवानों एवं स्वयंसेवकों ने जल बचाव की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जल में सुरक्षित तरीके से उतरने, तैराकी, लाइफ जैकेट के इस्तेमाल, रस्सी के जरिए रेस्क्यू, नाव संचालन और डूब रहे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीक सिखाई गई। इसके साथ ही प्राथमिक उपचार और सीपीआर का प्रशिक्षण भी दिया गया। आपात स्थिति में टीम के सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल और तत्काल निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए विभिन्न परिस्थितियों पर आधारित मॉक ड्रिल कराए गए। सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर एवं राष्ट्रपति सम्मानित सदस्य संतोष कुमार ने कहा कि पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम क्षेत्र में नदियों, जलाशयों और अन्य जल स्त्रोतों में डूबने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। स्वर्णरेखा और खरकई नदी समेत विभिन्न जल क्षेत्रों में कई बार राहत एवं बचाव अभियान चलाने की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी परिस्थितियों में प्रशिक्षित रेस्क्यूअर की मौजूदगी बेहद जरूरी है। संतोष कुमार ने बताया कि कई जल दुर्घटनाओं में स्थानीय मछुआरे भी बचाव कार्य में सहयोग करते हैं, लेकिन आपदा की स्थिति में व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने के लिए विशेष प्रशिक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से रेल सिविल डिफेंस के जवानों और स्वयंसेवकों को नियमित रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर वे रेलवे के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के राहत एवं बचाव अभियानों में भी सहयोग कर सकें।

युवक ने टाइगर मोबाइल जवानों से की मारपीट, हिरासत में

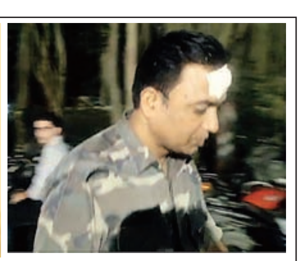

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टेल्को थाना क्षेत्र के हुडको में बंद पड़े टाटा मोटर्स क्वार्टर में जन्मदिन मनाने पहुंचे युवक और गश्त कर रहे टाइगर मोबाइल जवानों के बीच बुधवार रात विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में टाइगर मोबाइल जवान सुजीत कुमार के सिर में चोट लगी, जबकि उनके साथी जवान चुन्नू राम सोरेन के साथ भी हाथापाई किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने ट्रक पार्क निवासी आदित्य करवा को हिरासत में लिया है। बताया गया कि आदित्य करवा अपना 18वां जन्मदिन मनाने के लिए एक युवती के साथ हुडको स्थित बंद क्वार्टर नंबर 152 में पहुंचा था। इसी दौरान इलाके में गश्त कर रहे टाइगर मोबाइल जवान सुजीत कुमार और चुन्नू राम सोरेन की नजर क्वार्टर में मौजूद युवक-युवती पर पड़ी। सुनसान और बंद क्वार्टर में मौजूद होने को लेकर जवानों ने युवक से पूछताछ की। इसी दौरान युवक और जवानों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ने पर आदित्य ने जवानों के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसी क्रम में वहां पड़े पत्थर से सुजीत कुमार के सिर पर वार कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गए। वहीं, चुन्नू राम सोरेन के साथ भी मारपीट की गई और उन्हें दांत से काटने का आरोप लगाया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद टेल्को थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आदित्य को हिरासत में लेकर थाने ले आई। घटना के बाद दोनों घायल जवानों का प्राथमिक उपचार कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल और मामले से जुड़े लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई है। मौके पर एक अन्य युवक और युवती के मौजूद होने की भी बात सामने आई है। टेल्को थाना प्रभारी सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही घटना की पूरी स्थिति और विवाद के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

भुला पंचायत में पार्षद गीतांजलि ने बनवाया लाइसेंस, ग्रामीणों को किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के भुला पंचायत में गुरुवार को ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए विशेष कैंप लगाया गया। कैंप में बोड़ाम प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से भारी संख्या में लोग पहुंचे और ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया का लाभ उठाया। इस दौरान बोड़ाम जिला परिषद सदस्या गीतांजलि महतो ने भी अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया। वही क्षेत्र की जनता को भी जागरूक करते हुए कहा कि कोई भी वाहन चालक वाहन चलाने के दौरान अपना ड्राइविंग लाइसेंस जरूर बनवाए। इससे ना सिर्फ पुलिस से पकड़वाने का भय दूर होगा। वाहन चलाने के दौरान किसी प्रकार के दुर्घटना होने पर स्वयं या अन्य को दुर्घटना ग्रस्त करने पर बीमा की राशि मिलने का भी एक साधन है। इस दौरान कुल दो सौ फार्म जमा किया गया। जिसमें लगभग 160 के करीब आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान जिला पार्षद सदस्या गीतांजलि महतो और समाजसेवी माणिक चंद्र महतो के हाथों सौंपा गया।

फेडरेशन कप पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जमशेदपुर के 44 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : देश के सबसे प्रतिष्ठित पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन इंडिया की ओर से 20 से 23 अगस्त 2026 तक फेडरेशन कप नेशनल अंडर-डेवलपमेंट एवं एलीट पावरलिफ्टिंग, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट चैंपियनशिप का आयोजन पश्चिम बंगाल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जमशेदपुर से झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के 44 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खिलाड़ियों की सूची झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के महासचिव कन्हैया कुमार सिंह की ओर से

गुरुवार को पावरलिफ्टिंग स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन इंडिया के महासचिव दुर्गेश राजोरिया को भेजी गई है। प्रतियोगिता में जमशेदपुर से शामिल होने वाले खिलाड़ियों में अनोखी भगत, पीयूष शेखर, यश कुमार, अभिनव निखिल टोप्पो, सृति पॉल, विहान कुमार, मोहित रंजन, कन्हैया कुमार सिंह, मनीष कुमार चौहान, दीपशिखा कुमारी, रेनू कुमारी, महेश मिश्रा, अंकित कुमार सिंह, इशिका पालित, अजय कुमार, ध्रिमन दास, नीरेश शर्मा, तहिन दत्ता, जगजीत सिंह, मृत्युंजय पाठक, देवराज कुमार, विकास कुमार मुखी, पी. पद्मा, रविनब्रा नाथ महतो, हिमाद्री भकत और राकेश शामिल हैं।

इसके अलावा काजल किरण पटेल, बिद्युत सरकार, भूपेश कुमार महतो, ज्योति पटेल, ताहिरा खातून, निखत परवीन, आयशा परवीन, अमीना अल्जा, ताकेर आलम, प्रीति कुमारी, रीबा खान, शिफा सारा, गौरव सिंह, शिवम कुमार, पुष्कर कुमार, देवजानी सरकार, प्रद्युत सरकार और एम. मुंडा भी जमशेदपुर की टीम का हिस्सा हैं। टीम के प्रबंधन की जिम्मेदारी मुस्कान फातमा को टीम मैनेजर के रूप में दी गई है। झारखंड पावरलिफ्टिंग ऑर्गनाइजेशन के महासचिव कन्हैया कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जमशेदपुर के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए शहर और झारखंड का नाम रोशन करेंगे। फेडरेशन कप में बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट जैसी पावरलिफ्टिंग स्पधाओं में खिलाड़ियों को अपनी ताकत और तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। जमशेदपुर से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के चयन से स्थानीय पावरलिफ्टिंग खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में उत्साह है।

एलपीजी गैस उपभोक्ता जल्द करवा ले ई-केवाईसी नहीं तो बढ़ेगी परेशानी

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के सभी एलपीजी गैस उपभोक्ता अपने संबंधित एजेंसी में पहुंचकर आधार कार्ड,एलपीजी कार्ड और मोबाइल के साथ पहुंचकर अपने कनेक्शन का ई केवाईसी करवाना सुनिश्चित करें। जानकारी देते पटमदा बाजार स्थित एचपी गैस एजेंसी के संचालक नरेंद्र महंती ने बताया कि सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपभोक्ता को स्वयं एजेंसी में आकर ई केवाईसी करवा ले। वही भवानी दास ने बताया कि सभी उपभोक्ता 15 अगस्त तक अपने अपने कनेक्शन का जल्द से जल्द ई केवाईसी करवा ले। इसके बाद भी यदि कोई किसी कारण से ई- केवाईसी नहीं करवाते हैं तो परेशानी हो सकती हैं।

व्यवहार न्यायालय, खूँटी

शुद्धि-पत्र
दिनांक– 12.08.2026

व्यवहार न्यायालय, खूँटी के कार्यालय द्वारा पिउन/आदेशपाल, ड्राइवर एवं दफ्तरी की नियुक्ति के संबंध में निर्गत विज्ञापन (Advt. No.02/2026) जिसका PR No. 386890 (Law) 26-27*D]है के संबंध में सूचित किया जाता है कि आवेदन हेतु निर्देश की कंडिका–10 में उल्लिखित स्व–पता लिखा लिफाफा 25 से.मी. X11 से.मी.(प्रवेश पत्र पर निर्गत करने हेतु) **''जिसपर 40/– रूपये का डाक टिकट सटा हुआ हो''**, के स्थान पर **''56/– रूपये का डाक टिकट सटा हुआ हो''**, पढ़ा जाय।

इस संबंध में सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि जिन अभ्यर्थियों ने शुद्धि–पत्र प्रकाशन के पूर्व 40/– रूपये का डाक टिकट लगाकर अपना आवेदन पत्र भेज दिया है, उन्हें निदेशित किया जाता है कि वे **शेष 16/– रूपये का डाक टिकट ''प्रभारी न्यायाधीश, व्यवहार न्यायालय, खूँटी''** के पते पर निबंधित/स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजना सुनिश्चित करें।

उन्हें दोबारा नवीन आवेदन–पत्र जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

निर्देशानुसार,
प्रभारी न्यायाधीश/निबंधक,
व्यवहार न्यायालय, खूँटी।

PR.NO.387394 Law(26-27):D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Municipal Corporation, Hazaribag

e- Procurement
Notice Inviting Tender
Reference No. - UDD/HMC/HZB/18/2026-27

1. Detail of work

Group No.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1	Construction of P.C.C road from H/o Raj Kumar Ram to the River via H/o Pappu Ram in ward no. 25 Under Municipal Corporation, Hzaribagh.	24,98,000/-	50,000/-	5,900/	90 Days

2. Date of Publication of Tender on website :- **17.08.2026 at 11:00 A.M.**
3. Last Date/Time of receipt of bids online :- **31.08.2026 up to 5:00 P.M.**
4. Bid Opening date :- **03.09.2026 at 11:00 A.M.**
5. Name & Address of office inviting tender :- Municipal Commissioner Municipal Corporation, Hazaribag.
6. Contact No. of Procurement officer :- 7004394602

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- **e-Procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, रांची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रांची का पत्रांक 05/विविध (e-Tender)–12/2023/न0वि– 4847 (अनु॰) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।**

Sd/-
Municipal Commissioner
Municipal Corporation, Hazaribag

PR.NO.387424 Urban Development and Housing(26-27):D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Municipal Corporation, Hazaribag

e- Procurement
Notice Inviting Tender
Reference No. - UDD/HMC/HZB/17/2026-27

1. Detail of work

Group No.	Name of work	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1	Construction of R.C.C. Drain with Cover Slab and Repair of PCC Road from H/o Mahaveer Mahto to H/o Deepak Sinha (near Jheel) in ward no. 04 Under Municipal Corporation, Hzaribagh.	24,99,500/-	50,000/-	5,900/	90 Days

2. Date of Publication of Tender on website : **17.08.2026 at 11:00 A.M.**
3. Last Date/Time of receipt of bids online : **31.08.2026 up to 5:00 P.M.**
4. Bid Opening date : **03.09.2026 at 11:00 A.M.**
5. Name & Address of office inviting tender : Municipal Commissioner Municipal Corporation, Hazaribag.
6. Contact No. of Procurement officer : 7004394602

NOTE :
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- **e-Procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, रांची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रांची का पत्रांक 05/विविध (e-Tender)–12/2023/न0वि– 4847 (अनु॰) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।**

Sd/-
Municipal Commissioner
Municipal Corporation, Hazaribag

PR 387425 (Urban Development and Housing) 26-27 (D)

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन आमंत्रण सूचना
संख्या –19/2026–2027

1. विज्ञापनदाता का नाम : जिला अभियंता जिला परिषद राँची
2. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : सहायक अभियंता, जिला परिषद राँची। जिला अभियंता, जिला परिषद कार्यालय, राँची
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 25.08.2026 (अपराह्न 3.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि : दिनांक 27.08..2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक
5. निविदा प्राप्त करने का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 27.08.2026 को अपराह्न 3:30 बजे।
7. निविदा खोलने का स्थान : जिला परिषद, कार्यालय, राँची।
8. कार्य का विस्तृत विवरणी :

क्र0 सं0	प्रखण्ड का नाम	पंचायत का नाम	योजना	तकनीकी स्वीकृति की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कॉके	अरसण्डे	अरसण्डे पंचायत के वैथल मिशन गली में दिलीप कुमार सिंह के घर से होते हुए विनोद भोक्ता के घर पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	8,19,500.00	16,500.00	1250.00	तीन माह

नोट: 1. निविदा की अन्य शर्ते जिला परिषद, कार्यालय, राँची के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. इस निविदा में **जिला परिषद, राँची** अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग लेगें।
3. जिन संवेदक का कार्य जिला परिषद राँची में कार्य चल रहा है या लम्बित है वे संवेदक इस निविदा में भाग नहीं लेगे उनकी निविदा अमान्य कर दी जाएगी।

जिला अभियंता
जिला परिषद राँची

PR 387481 Panchayati Raj(26-27).D

कार्यालय-जिला मत्स्य पदाधिकारी, लोहरदगा

मत्स्य मित्र का चिन्हीकरण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में लोहरदगा जिला में पंचायत स्तर/पंचायत, कलस्टरवार स्वैच्छिक कार्यकर्त्ता के रूप में मत्स्य मित्रों का चिन्हीकरण निम्न योजनाओं के कार्य हेतु किया जाना है। (1) गोष्ठि द्वारा मछुआरों का सामुहिक दुर्धटना बीमा योजना/जलकरों के आँकड़ो का मिलान (2) मत्स्य उत्पादन एवं बाजार हाट का आँकड़ा संग्रहण (3) फीड बेस्ड फिशरीज योजना (4) JSAC राँची से प्राप्त तालाबों/जालकरों के आँकड़ा का मिलान (5) अबन्दोबस्ती जलकरों की बन्दोबस्ती (6) मत्स्य बीज उत्पादन से संबंधित कार्य तथा विभाग से संबंधित इत्यादि कार्य।

सभी कोटि के वैसे लोग जो मत्स्य कार्य से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हो एवं पूर्व से चयनित मत्स्य मित्र (प्राथमिकता) से निर्धारित अहर्त्ता के अनुरूप आवेदन आंमत्रित की जाती है–

1. आवदेक प्रत्यक्ष रूप से मत्स्य कार्यो से जुड़ा होना चाहिए।
2. आवेदन मैट्रिक पास होने की योग्यता रखते हों तो प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
3. आवेदक को मोटर साइकिल चलाने का ज्ञान हो।
4. आवेदक पुर्व में मत्स्य पालन हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हो का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। उन्हें प्राथमिकता दी जायेगी।
5. जिला कार्यालय आने–जाने हेतु किसी प्रकार यात्रा भ्रमण भता देय नहीं है।
6. वर्णित योजनाओं के अनुरूप संतोषजनक कार्य करने पर नियमानुसार मानदेय राशि का भुगतान किया जायेगा।
7. किसी भी संस्थान में वर्त्तमान में अध्ययनरत नहीं हो, किसी भी सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों में कार्यरत नहीं हो। (शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य है)।
8. आवेदनकर्त्ता गृह पंचायत के अतिरिक्त समीपवर्ती तीन से चार पंचायतों या उससे भी अधिक पंचायतों में कार्य करने हेतु आवेदन दे सकते है।

उपरोक्त अहर्त्ता पूरा करने वाले इच्छुक आवेदक से अनुरोध है कि दिनांक 07.09.2026 को कार्यालय अवधि तक जिला मत्स्य कार्यालय, लोहरदगा में आवेदन समर्पित करें। आवेदन का विहित प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, लोहरदगा से कार्य दिवस में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

नोटः–
- पहले आओं, पहले पाओं
- यह स्थायी नियोजन नहीं है। कार्य के आलोक में भुगतान किया जायेगा।
- अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में सम्पर्क करें।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा

PR 387469 Lohardaga(26-27).D

स्वातंत्र्य-यज्ञ जारी है!

स्वतंत्रता निश्चय ही सभ्य मानव समाज का सर्वोत्तम आविष्कार है जो मनुष्य को अपने चुने हुए लक्ष्यों को पाने के लिए सामर्थ्य संपन्न बनाती है। आज विकास, प्रगति और उन्नति के मार्ग पर चलने के लिए स्वतंत्रता को सबसे ताकतवर हथियार माना जाता है। स्वतंत्रता समर्थ बनाती है यही सोचकर पराधीनताओं की बेड़ियों को तोड़ने के लिए विश्व में अनेक संग्राम होते आ रहे हैं। अभी भी म्यांमार जैसे कई देशों में तानाशाही के खिलाफ बेचैनी है और उसके आतंक का प्रतिरोध जारी है। वस्तुतः प्राणिमात्र उस नैसर्गिक परिस्थिति में ही जीना चाहता है जिसमें मुक्त होकर अपनी शर्तों पर जिया जा सके। परतंत्र होने पर गोस्वामी तुलसीदास के शब्दों में सपने में भी सुख नसीब नहीं होताः पराधीन सपनेहु सुख नाहीं। पराधीनताओं के बीच रहते हमें स्वयं अपने मार्ग को चुनने की छूट नहीं होती है इसलिए वह अवांछनीय है। यह जरूर है कि स्वतंत्रता सिर्फ. भोग नहीं है क्योंकि भोग के रूप में वह दूसरों के शोषण का जरिया हो जाएगी। स्वतंत्रता देश-योग है, देश से जुड़ने की वृत्ति है। भारत को उपनिवेश बनाने के बाद अंग्रेजों ने भारतीय समाज के जीने और सोचने के विकल्पों को सिलसिलेवार समाप्त करने की कोशिश की। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के दृढ़संकल्प के साथ न केवल भारत का आर्थिक दोहन किया बल्कि हमारे लिए विकल्प भी तय किये और अपनी सोच हमारे ऊपर लादते गए। उन्होंने हजारों वर्षों की ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति के क्षेत्र की अमूल्य विरासत को झुठलाते हुए भारत को एक असभ्य देश घोषित कर दिया और बिन मांगे यहाँ के समाज को सभ्य बनाने की जिम्मेदारी अपने सिर उठा ली। वे हमारा पुरुषार्थ नए सिरे से परिभाषित करते हुए बताते गए कि हम भारतीय क्या (या कौन) हैं? हम क्या करें? और कैसे करें? हमारा गंतव्य क्या हो? इत्यादि। हमारे देश के लिए लक्ष्य, उनको पाने के लिए साधन और उसके अनुकूल जरूरी सोच सब कुछ वे तय कर रहे थे और उसके लिए राह बना रहे थे। अंग्रेज अन्यत्र भी विश्व में जहाँ गए मूल निवासियों की सभ्यता को नष्ट ही किया। भारत में भी वे एक पूरे पैकेज के साथ एक पूरी सभ्यता को खत्म करने के अभियान पर थे जो कई अर्थों में उनसे समृद्धतर थी। कहना न होगा कि यह समृद्धि विदेशियों के लिए पहले भी आकर्षण का कारण बन चुकी थी। अंग्रेजों ने अपना उपक्रम शिक्षा और संस्कृति में बदलाव के सुनियोजित कार्यक्रम के द्वारा बहुत प्रभावी ढंग से लागू किया और उनको सफलता भी मिली। अंग्रेजों ने शिक्षा का जो स्वरूप, विषय वस्तु और पद्धति निर्धारित की वह उनकी अपनी थी और यह स्वाभाविक ही था कि उसमें भारतीय ज्ञान परम्परा को जगह न मिले। अंग्रेजों ने औपनिवेशिक साम्राज्य को पुष्ट करने के लिए भारतीय ज्ञान के विपुल भंडार के प्रति विद्वेष और संशय का भाव इस तरह प्रचारित और प्रसारित किया कि उसे लेकर आम भारतीय के मन में संशय का भाव घर कर गया। औपनिवेश मनोभाव को आत्मसात करने के बाद कालांतर में भारतीय चिंतन पर से लोगों का भरोसा उठता चला गया और वह त्याज्य होती गई। उसका परिणाम सामने है कि भारत अपने मौलिक अर्थ में आज के अनेक भारतीयों के लिए अपरिचित-सा होता जा रहा है। बहुत से पढ़े-लिखे लोगों को किसी एकल भारतीय दृष्टि के बारे में संदेह हो चला है। भारत, भारतीयता और भारतझभाव अब विवाद का प्रश्न बन गए हैं; वह "कंटेस्टेड" हो चला है। भाषा, वेश-भूषा और भाव सभी की दृष्टि से आधुनिक भारतीय अपने को अंग्रेजों के तुल्य रखना चाहता है। ऐसे में भारतीय भाषाएँ और यहाँ की अपनी ज्ञान-परम्परा भारत की आधुनिक शिक्षा की औपचारिक प्रणाली के लिए आज भी अनुपयुक्त ही जा रही है। उसको अपनाने में भय लगता है वह इस तरह बाहर धकेल दी गई कि उसके प्रति भारतीय जन-समाज का भरोसा अभी तक जम नहीं पाया। वह उसे प्रासंगिक नहीं मानती। वह उसके लिए पूजनीय है या हो सकती है पर उसका सही स्थान संग्रहालय तो हो सकता है पर दैनिक जीवन कदापि नहीं। पर वास्तविकता यही है कि औपनिवेशिक सोच की बेड़ियों से मुक्त होकर ही वास्तविक स्वराज मिल सकेगा।

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

ललित गर्ग

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति- जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार-सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में "नामित प्राधिकरण" की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है।

भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है। यदि किसी संस्था ने विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन या प्रलोभन आधारित धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता अथवा भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में किया है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रहित में ऐसी कठोरता आवश्यक है। मगर दूसरी ओर यदि कोई संस्था अस्पताल चला रही है, गरीबों के लिए शिक्षा उपलब्ध करा रही है, पर्यावरण संरक्षण कर रही है, महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही है अथवा प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचा रही है, तो केवल तकनीकी या प्रक्रियागत चूक के कारण उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल सरकारी नियंत्रण स्थापित हो जाना चिंता का विषय बन सकता है। यही कारण है कि जेपीसी के पास जाना इस विधेयक के लिए एक सकारात्मक अवसर है। संसद में बहुमत से कानून पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जिन कानूनों का प्रभाव हजारों संस्थाओं, लाखों लाभार्थियों और देश के व्यापक नागरिक समाज पर पड़ता हो, उनकी बारीकी से जांच लोकतंत्र को मजबूत करती है। जेपीसी में विपक्ष अपनी आपत्तियां रख सकता है, सरकार अपने तर्क स्पष्ट कर सकती है और विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, वित्तीय विशेषज्ञों तथा सुरक्षा एजेंसियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा सकता है।

विधेयक में एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी प्रावधान यह भी है कि धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को बनाए रखना अनिवार्य होगा। नामित प्राधिकरण किसी ऐसे स्थल को दूसरे उद्देश्य में बदल या उसकी धार्मिक प्रकृति समाप्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का प्रावधान दिया गया है। सरकार ने यह भी बताया है कि पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाएंगे। ये प्रावधान स्वागत योग्य हैं, लेकिन सवाल यह रहेगा कि इन अधिकारों की वास्तविक स्वतंत्रता और प्रक्रिया कितनी प्रभावी होगी। एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन नवीनीकरण से जुड़ा है। 2026 के नियमों में पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 10 लाख रुपये विदेशी अंशदान के उपयोग को सक्रिय संस्था की पहचान के रूप में रखा गया है। साथ ही गतिविधि और राज्य-विशिष्ट पंजीकरण तथा अधिक विस्तृत उपयोग संबंधी जानकारी देने की व्यवस्था भी की गई है। यह व्यवस्था निष्क्रिय संस्थाओं पर नियंत्रण के लिए उपयोगी हो सकती है, लेकिन जेपीसी को यह भी देखना होगा कि क्या हर छोटी लेकिन वास्तविक सामाजिक संस्था के लिए 10 लाख रुपये खर्च करना व्यावहारिक मानदंड है। सामाजिक उपयोगिता का मूल्य केवल धनराशि से नहीं किया जा सकता।

एफसीआरए की बहस को केवल "सरकार बनाम विपक्ष" या "राष्ट्रवाद बनाम नागरिक स्वतंत्रता" के द्वंद्व में सीमित करना भी उचित नहीं होगा। असली प्रश्न इससे कहीं बड़ा है-भारत विदेशी धन को किस तरह स्वीकार करेगा और यह सुनिश्चित कैसे करेगा कि विदेशी संसाधन भारतीय समाज के हित में काम करें, न कि भारत की नीतियों और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने का माध्यम बनें? इसी के साथ यह भी तय करना होगा कि सरकार की नियामक शक्ति इतनी व्यापक न हो जाए कि स्वतंत्र सामाजिक संस्थाओं की वैध असहमति भी संदेह की दृष्टि से देखी जाने लगे। भारत जैसे विशाल और विविध लोकतंत्र में नागरिक समाज सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का सहयोगी अंग है। हजारों गैर-सरकारी संगठन स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण, दिव्यांग कल्याण और आपदा राहत के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली प्रत्येक संस्था को पारदर्शिता, लेखांकन और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए, लेकिन सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमन का उद्देश्य संस्थाओं को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि धन के सही उपयोग को सुनिश्चित करना हो। संसद और जेपीसी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यही संतुलन स्थापित करने की है। विदेशी चंदे की आड़ में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए, लेकिन सामाजिक सेवा की आड़ में यदि कहीं वित्तीय अनियमितता है तो उसके लिए भी कोई छूट नहीं होनी चाहिए। समान रूप से, वैध सामाजिक कार्य को केवल वैचारिक असहमति के कारण संदेह के घेरे में नहीं लाया जाना चाहिए। कानून ऐसा हो जिसमें अपराध पर कठोरता और वैध सामाजिक कार्य के प्रति संवेदनशीलता-दोनों साथ चलें।

आजादी की भोर में विभाजन का अंधेराः जब लहू से लाल हुई थी एक साझा विरासत

वरुण कुमार

15 अगस्त 1947–एक ऐसी तारीख, जो भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो बिल्कुल विपरीत भावनाओं को एक साथ लेकर आई। एक तरफ दो सौ सालों की बर्बर ब्रिटिश गुलामी की जंजीरों को तोड़कर आजादी की नई भोर का जश्न मनाया जा रहा था, तो दूसरी तरफ एक ऐसा खूनी मंजर था जिसने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया था। अंग्रेजी हुकूमत ने भारत को आजादी की जो खुशियां सौंपीं, उनकी कीमत करोड़ों लोगों को अपनी मातृभूमि, अपनी जड़ों और अपनों की जान देकर चुकानी पड़ी। 14 और 15 अगस्त की मध्यरात्रि को जब दुनिया सो रही थी और भारत स्वतंत्रता की लालिमा में सांस ले रहा था, ठीक उसी समय सीमाओं के दोनों ओर लाखों लोग नंगे पांव, फटेहाल और आंखों में खौफ समेटे जीवन के सबसे बड़े हादसे से गुजर रहे थे। यह विभाजन सिर्फ दो मुल्कों का बंटवारा नहीं था, बल्कि साझी संस्कृति, पीढ़ियों के रिश्तों और करोड़ों दिलों का कत्लेआम था।

इतिहासकार आज भी इस बात पर मंथन करते हैं कि क्या विभाजन इतनी बर्बरता से होना अनिवार्य था? लॉर्ड माउंटबेटन का भारत के अंतिम वायसराय के रूप में आगमन और विभाजन की योजना को जल्दबाजी में लागू करना इतिहास की सबसे बड़ी भूलों में से एक माना जाता है।

अंग्रेजी हुकूमत, जो कभी अपने साम्राज्य का सूरज न डूबने का दंभ भरती थी, भारत छोड़कर भागने की जल्दी में थी। ब्रिटिश साम्राज्य के पास एक तरफ दूसरे विश्वयुद्ध के बाद का आर्थिक दबाव था, तो दूसरी तरफ मुस्लिम लीग और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान का गहराता संकट। मोहम्मद अली जिन्ना के अलग मुस्लिम राष्ट्र (पाकिस्तान) के अडिग रुख और भड़कते सांप्रदायिक दंगों के कारण कोई सर्वमान्य राजनीतिक समझौता नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, सिर सिरिल रेडक्लिफ–जिन्होंने कभी भारत का नक्शा तक ठीक से नहीं देखा था–को सीमाओं का निर्धारण करने का जिम्मा सौंपा गया। मेज पर रखी एक पेंसिल से खींची गई इस रेखा (रेडक्लिफ लाइन) ने रातों-रात सदियों से साथ रह रहे पड़ोसियों को एक-दूसरे का दुश्मन और अनजान बना दिया। गाँव के गाँव, खेत, नदियाँ और यहाँ तक कि घर भी दो हिस्सों में बँट गए।

मानव इतिहास का सबसे बड़ा पलायन,सिर पर पोटली, आँखों में अनाथपन है।विभाजन का फैसला आते ही सीमा के दोनों ओर एक ऐसा खौफ फैला जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। जो लोग सदियों से पूर्वजों की जमीन पर खेती करते आ रहे थे, जिन्हें लगता था कि यह उनका अपना देश है, उन्हें रातों-रात अपना सबकुछ छोड़कर भागना पड़ा।

पाकिस्तान बनने वाले इलाकों (पश्चिमी पंजाब, सिंध, पूर्वी बंगाल) से लाखों की संख्या में हिंदू और सिख समुदाय के लोग भारत की ओर भागे। वहीं, भारत के इलाकों (पूर्वी पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार) से बड़ी संख्या में मुसलमान पाकिस्तान की ओर रवाना हुए। मिलाकर लगभग 1.5 करोड़ (15 मिलियन) लोगों ने पलायन किया। यह मानव इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे दर्दनाक जबरन विस्थापन था। परिवहन के साधन पूरी तरह चरमरा चुके थे। जो लोग भाग्यशाली थे, वे खचाखच भरी ट्रेनों की छतों पर बैठकर यात्रा कर रहे थे। लाखों लोग पैदल ही काफिलों (काफिला) के रूप में निकल पड़े। कई-कई मील लंबे काफिले सीमा पार करने के लिए दिन-रात चलते रहते थे। बूढ़े, महिलाएं, छोटे-छोटे बच्चे सिर पर अपनी जिंदगी की आखिरी जमापूंजी (एक छोटी सी पोटली) लिए नंगे पांव चल रहे थे। पैदल चलते-चलते रास्ते में भूख, प्यास, हैजा और थकावट से हजारों लोग दम तोड़ देते थे। राह में जो भी मरता, उसे दफनाने या दाह-संस्कार करने तक का समय किसी के पास नहीं था। बस अपनों के शवों को रास्ते में छोड़कर आगे बढ़ने की मजबूरी थी। हिंसा, कत्लेआम और ट्रेनों का श्मशान बनना है। विभाजन का सबसे वीभत्स और डरावना पहलू था सीमाओं पर भड़का सांप्रदायिक पागलपन। जो कौमें सदियों से एक-दूसरे के तीज-त्योहारों, सुख-दुख में शरीक होती आई थीं, वे एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गईं।

'लाहौर-अमृतसर रूट' और 'खून की ट्रेनें' है। ट्रेनों के माध्यम से शरणार्थियों को सीमा पार कराया जा रहा था, लेकिन ये ट्रेनें अक्सर मौत का ताबूत बन जाती थीं। रास्ते में दंगाइयों द्वारा ट्रेनों को रोक लिया जाता था और निर्दोष यात्रियों को चुन-चुनकर मौत के घाट उतार दिया था। अमृतसर से लाहौर जाने वाली या लाहौर से अमृतसर आने वाली ट्रेनें जब स्टेशनों पर पहुंचती थीं, तो उनमें कोई जीवित व्यक्ति नहीं बचता था। डिब्बों में सिर्फ कटी हुई लाशें और खून से सने कपड़े होते थे। उन दिनों भारत-पाक सीमा पर आने वाली ट्रेनों को 'ब्लड ट्रेन' (रक्त-रंजित ट्रेनें) कहा जाने लगा था। स्टेशनों पर पसरा सन्नाटा और हवा में तैरती खून की बदबू इस बात की गवाही देती थी कि इंसानियत अपनी आखिरी सांसें ले रही है। महिलाओं और मासूमों पर बर्बरता, इतिहास का सबसे काला अध्याय है। विभाजन की इस त्रासदी में सबसे अधिक कीमत महिलाओं, युवतियों और मासूम बच्चों ने चुकाई। दंगाइयों ने महिलाओं की आबरू को युद्ध का मैदान बना दिया था। ऐतिहासिक दस्तावेजों और शोधों के अनुसार, विभाजन के दौरान सीमाओं के दोनों ओर लगभग 83,000 से 1,00,000 महिलाओं के साथ दुष्कर्म, अपहरण और यौन उत्पीड़न जैसी जघन्य वारदातें हुईं। हजारों युवतियों का अपहरण कर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और उनसे जबरन शादियां की गईं। इतिहास के इस पन्ने में कई ऐसे दर्दनाक किस्से भी दर्ज हैं जहाँ परिवारों ने अपनी बेटियों की इज्जत बचाने के लिए उन्हें खुद अपने हाथों से जहर दे दिया या कुओं में छलांग लगाने पर मजबूर किया। पंजाब के थुहा खालसा गाँव का किस्सा आज भी लोगों की रूह कंपा देता है, जहाँ दर्जनों महिलाओं ने दंगाइयों के हाथ चढ़ने से पहले एक साथ कुएं में कूदकर जान दे दी थी। मासूम बच्चों को उनकी माताओं के सामने ही भाले पर टांग दिया जाता था। इस हैवानियत ने किसी को नहीं बख्शा–न उम्र की मयार्दा रही, न रिश्तों की तड़प। 10 से 20 लाख मौतें,जब लाशें ठिकाने लगाने के लिए जगह कम पड़ गई। विभाजन में कुल कितनी मौतें हुईं, इसका कोई सटीक सरकारी आंकड़ा कभी सामने नहीं आ सका। हालात इतने बिगड़े हुए थे कि मौतों को दर्ज करने वाला कोई प्रशासन बचा ही नहीं था। स्वतंत्र इतिहासकारों और रिपोर्टों के अनुसार, विभाजन की हिंसा में 10 लाख से लेकर 20 लाख निर्दोष लोगों की जान गई।

लाखों बच्चे अनाथ हो गए, लाखों औरतें विधवा हो गईं और लाखों बुजुर्ग अपनी आंखों के सामने अपने पूरे परिवार को खत्म होते देखते रह गए। रास्तों, नदियों और खेतों में लाशों के ढेर लगे हुए थे। रावी, सतलुज और चिनाब जैसी नदियों का पानी हफ्तों तक लाल बहता रहा। लाशों को सड़ने से रोकने और महामारी से बचने के लिए सामूहिक चिताएं जलाई गईं और सामूहिक कब्रें खोदी गईं। दिल्ली और लाहौर का मंजर, शरणार्थी शिविरों का दर्द है।विभाजन के बाद जो लोग सीमा पार कर सुरक्षित भारत (अमृतसर, दिल्ली, कुरुक्षेत्र) या पाकिस्तान (लाहौर, कराची) पहुँचने में सफल रहे, उनकी मुश्किलें खत्म नहीं हुई थीं। दिल्ली और कुरुक्षेत्र में विशाल शरणार्थी शिविर बनाए गए थे। दिल्ली का पुराना किला, किंग्सवे कैंप और हुमायूँ का मकबरा शरणार्थियों के तंबुओं से पट गए थे। बड़े-बड़े जमींदार, सेठ, व्यापारी और पढ़े-लिखे पेशेवर लोग रातों-रात सड़क पर आ गए थे। जो लोग कभी अपने बड़े-बड़े हवेलियों में रहते थे, वे अब एक-एक रोटी और कंबल के लिए कतारों में खड़े थे। पहचान का संकट,अपनी ही मातृभूमि में उन्हें 'शरणार्थी'का टैग मिल चुका था।भारत सरकार के सामने लाखों शरणार्थियों के भोजन, स्वास्थ्य, रोजगार और मकान की व्यवस्था करना एक हिमालयी चुनौती थी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल समेत पूरे नेतृत्व को देश निर्माण के साथ-साथ शरणार्थी संकट से जूझना पड़ा।

सूडोकु नवताल- 7886

✱✫✫✫✫ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7885 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

भारत की आजादी में वीर बलिदानियों व महापुरुषों की भूमिका

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

भारत की स्वतंत्रता का इतिहास केवल किसी एक व्यक्ति, एक आंदोलन या एक विचारधारा की देन नहीं है। यह अनेक धारा, संघर्ष, बलिदानों और राजनीतिक प्रयोगों का परिणाम था। महात्मा गांधी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रवेश ऐसे दौर में हुआ जब कांग्रेस मुख्यतः शिक्षित और राजनीतिक वर्ग की संस्था थी। गांधी ने स्वतंत्रता के संघर्ष को गांव, किसान, मजदूर, महिलाओं और सामान्य जनता तक पहुंचाया। चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह और अहमदाबाद मिल आंदोलन से लेकर असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन तक गांधी ने भारतीय राजनीति को जनआंदोलन का स्वरूप दिया, उन्होंने सामान्य भारतीय को यह विश्वास दिया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी जा सकती है। चंपारण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। बिहार के चंपारण में नील की जबरन खेती और किसानों के शोषण के विरुद्ध गांधी का सत्याग्रह केवल स्थानीय किसान समस्या का आंदोलन नहीं था। उसने भारतीय जनता को यह अनुभव कराया कि संगठित और अहिंसक प्रतिरोध से सत्ता को झुकाया जा सकता है, लेकिन यह कहना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देना होगा कि गांधी के सत्याग्रह के कारण अकेले भारत स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता का संघर्ष कई धाराओं में एक साथ चल रहा था। क्रांतिकारी आंदोलन, किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियां, समाजवादी विचारधारा और विदेशों में भारतीयों के प्रयासों ने भी ब्रिटिश शासन पर दबाव बनाया।

यहीं नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुभाषचंद्र बोस गांधी की रणनीति से सहमत नहीं थे। वे मानते थे कि ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से हटाने के लिए अधिक आक्रामक और सैन्य रणनीति आवश्यक है, उन्होंने आजाद हिंद सरकार की स्थापना की और आजाद हिंद फौज के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को सैन्य चुनौती देने का प्रयास किया। आजाद हिंद फौज सैन्य दृष्टि से अंततः ब्रिटिश सेना को पराजित नहीं कर सकी लेकिन उसका प्रभाव केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं था। युद्ध के बाद आजाद हिंद फौज के अधिकारियों पर चले मुकदमों ने पूरे देश में व्यापक जनभावना पैदा की। भारतीय सेना और जनता के भीतर यह भावना मजबूत हुई कि अंग्रेजों के लिए भारतीय सैनिकों की निष्ठा हमेशा के लिए सुनिश्चित नहीं है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन आर्थिक और सैन्य रूप से कमजोर हो चुका था। इसलिए भारत पर लंबे समय तक शासन बनाए रखना उसके लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया था।

इस दृष्टि से देखा जाय तो गांधी और सुभाष की भूमिकाओं को एक-दूसरे के विरोधी खेमों में रखकर समझना अधूरा होगा। गांधी ने भारतीय समाज को राजनीतिक रूप से जागृत और संगठित किया, जबकि सुभाष ने भारतीय स्वतंत्रता की आकांक्षा को अंतरराष्ट्रीय और सैन्य आयाम देने का प्रयास किया। एक ने जनशक्ति को संगठित किया, दूसरे ने औपनिवेशिक सत्ता के सैन्य आधार को चुनौती देने का प्रयास किया, इसके अतिरिक्त भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल और असंख्य क्रांतिकारियों के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता चेतना को गहरा किया। सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं ने राजनीतिक संघर्ष को अलग-अलग स्तरों पर आगे बढ़ाया। लाखों अनाम भारतीयों ने जेलें भरीं, आर्थिक कठिनाइयां झेलीं और आंदोलन में भाग लिया। इसलिए 15 अगस्त 1947 को मिली स्वतंत्रता को किसी एक व्यक्ति की विजय कहना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। भारत की आजादी अनेक शक्तियों के संयुक्त दबाव का परिणाम थी। गांधी उस व्यापक संघर्ष के सबसे प्रभावशाली जननेताओं में से एक थे लेकिन वे अकेले स्वतंत्रता के निमार्ता नहीं थे। यह समझना आवश्यक है कि "राष्ट्रपिता" गांधी की कोई संवैधानिक या विधिक उपाधि नहीं है। यह एक सम्मानसूचक संबोधन है, जो उनकी भूमिका और राष्ट्रीय जीवन पर उनके व्यापक प्रभाव के संदर्भ में प्रचलित हुआ। सुभाषचंद्र बोस ने 1944 में गांधी को "राष्ट्रपिता" कहकर संबोधित किया था। बाद के वर्षों में यह संबोधन जनमानस में व्यापक रूप से स्थापित हो गया।

आज के परिप्रेक्ष्य में गांधी की प्रासंगिकता पर भी बहस होनी चाहिए। गांधी के सभी विचारों को आंख बंद करके स्वीकार करना आवश्यक नहीं है, उनके आर्थिक विचार, औद्योगीकरण संबंधी दृष्टिकोण, जाति और सामाजिक प्रश्नों पर उनके विचार तथा राजनीतिक प्रयोग आज आलोचना और पुनर्मूल्यांकन के विषय हो सकते हैं लेकिन गांधी की अहिंसा, सत्य, जनभागीदारी, नैतिक राजनीति और सत्ता के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध की अवधारणाएं आज भी महत्वपूर्ण हैं। दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकार आंदोलनों ने गांधी के अहिंसक संघर्ष से प्रेरणा ली।

युवा पीढ़ी को गांधी से सहमत होने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता बल्कि उसे गांधी, सुभाष, भगत सिंह और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को पढ़ने, उनके विचारों की तुलना करने और स्वयं निष्कर्ष निकालने का अवसर मिलना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अर्थ अपने इतिहास को ईमानदारी से समझना है। गांधी को राष्ट्रपिता मानना या न मानना व्यक्तिगत या वैचारिक प्रश्न हो सकता है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका से इनकार करना कठिन है। उसी प्रकार सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका को कम करके देखना भी इतिहास के साथ अन्याय होगा।

दैनिक पंचांग

14 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

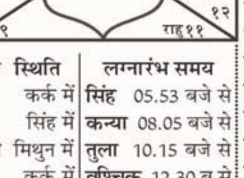

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.53 बजे से
कन्या	08.05 बजे से
तुला	10.15 बजे से
वृश्चिक	12.30 ब.से
धनु	14.46 बजे से
मकर	16.51 बजे से
कुंभ	18.38 बजे से
मीन	20.11 बजे से
मेष	21.41 बजे से
वृष	23.21 बजे से
मिथुन	01.19 बजे से
कर्क	03.33 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 226 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 18.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** परिघ 09.29 बजे को समाप्त। **करण** बालव 07.41 बजे तदनन्तर कौलव 18.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872801 **जूलियन दिन** 2461266.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 30 **विशेष** चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज, विभाजन विभीषिका एवं सिंधु स्मृति दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मोंगलाबांध और बड़कियारी में छापेमारी 2.865 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन के तहत पाकुड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकुड़िया और महेशपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर कुल 2.865 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त को महेशपुर अनुमंडल क्षेत्र के पाकुड़िया थाना अंतर्गत मोंगलाबांध और महेशपुर थाना क्षेत्र के बड़कियारी में गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महेशपुर के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल/एसआईटी का गठन किया गया। पाकुड़िया थाना क्षेत्र के मोंगलाबांध गांव में पारू अंसारी के घर पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में छापेमारी की गई। पुलिस के अनुसार, पुलिस टीम को देखकर पारू अंसारी ने भागने का प्रयास किया, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके घर और मोटरसाइकिल की डिक्की से 2.165 किलो गांजा, गांजा पीने में इस्तेमाल होने वाले 70 मिट्टी के चिलम, दो मोटरसाइकिल, एक पीतल का तराजू एवं बटखारा और एक एंड्रॉयड मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद किया गया। इस मामले में पाकुड़िया थाना कांड संख्या 60/2026, दिनांक 13 अगस्त 2026, धारा 20(बी)(2)/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसी अभियान के तहत एसआईटी ने महेशपुर थाना क्षेत्र के बड़कियारी हटियापाड़ा स्थित पिंटु शेख के घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान प्लास्टिक की दो थैलियों से 700 ग्राम गांजा और एक ओप्पो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किया गया। पुलिस ने पिंटु शेख को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में महेशपुर थाना कांड संख्या 134/2026, दिनांक 13 अगस्त 2026, धारा 20(बी)(2)(ए)/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पाकुड़िया थाना क्षेत्र के मोंगलाबांध निवासी पारू अंसारी उर्फ पाडु अंसारी उर्फ हुसैन अंसारी (40 वर्ष) तथा महेशपुर थाना क्षेत्र के बड़कियारी निवासी पिंटु शेख के रूप में हुई है। पुलिस दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई कर रही है। वहीं, मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

ऑपरेशन जीवन के तहत अब तक 11 गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, एसपी अनुदीप सिंह के नेतृत्व में जिले में मादक पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने के लिए ऑपरेशन जीवन चलाया जा रहा है। 19 अप्रैल से 2 अगस्त 2026 तक अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 9 कांड दर्ज, 83.30 ग्राम ब्राउन शुगर और 2.246 किलोग्राम गांजा बरामद तथा 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। छापेमारी दल में शामिल अधिकारीः एसडीपीओ महेशपुर विजय कुमार, पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा समेत दोनों थानों के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

एक नजर

ट्रेन से चोरी किए गए मोबाइल के साथ एक युवक गिरफ्तार

साहिबगंज : एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि ट्रेन संख्या 15620 (कामाख्या–गया एक्सप्रेस,) बोनिडंगा रेलवे स्टेशन पार करने के पश्चात बरहरवा की ओर धीरे–धीरे आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान जनरल कोच में यात्रा कर रहे एक यात्री के हाथ से एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन छीनकर भाग जाने की सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना प्राप्त होने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार, हमराह अधिकारी एवं स्टाफ के साथ सूचना का सत्यापन, संदिग्ध व्यक्ति की पहचान तथा गिरफ्तारी हेतु संभावित स्थानों पर लगातार छापामारी एवं जांच–पड़ताल करने लगा। इसी क्रम में गुरुवार 13 अगस्त को एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दिनांक 10 अगस्त को उक्त ट्रेन के यात्री से मोबाइल फोन चोरी कर भागने वाला व्यक्ति इरफान अंसारी, पिता अख्तर अंसारी, निवासी–मोगलपारा वर्तमान में रेलवे के किनारे रिले हट ईस्ट केबिन के पास अपने साथियों के साथ घूम रहा है। वहां एक व्यक्ति अपने कुछ साथियों के साथ बातचीत करता हुआ दिखाई दिया। पुलिस/आरपीएफ टीम को देखते ही उक्त व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा। तत्पश्चात आरपीएफ टीम द्वारा चारों ओर से घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम इरफान अंसारी, उम्र 19 वर्ष, पिता अख्तर अंसारी, निवासी मोगलपारा, पोस्ट इस्लामपुर, थाना बरहरवा, जिला साहेबगंज, झारखंड बताया।

युवक ने फंदे से झूलकर की खुदकुशी

पूर्वी सिंहभूम : कदमा थाना क्षेत्र की भाटिया बस्ती में गुरुवार को युवक सुशील कुमार (24) का शव किराए के कमरे में फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कदमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया कि सुशील कुमार मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के दाउदनगर का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से भाटिया बस्ती में किराए के मकान में रह रहा था। करीब एक महीने पहले ही उसने कपाली के डोबो स्थित एक शराब दुकान में काम करना शुरू किया था। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात वह शराब दुकान में अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद भाटिया बस्ती स्थित कमरे पर लौट आया था। गुरुवार सुबह जब वह निर्धारित समय पर काम पर नहीं पहुंचा तो दुकान के कर्मचारियों और परिचितों को चिंता हुई। इसके बाद कुछ लोग उसकी तलाश करते हुए किराए के कमरे पर पहुंचे। कमरे के अंदर सुशील का शव पंखे से फंदे के सहारे लटका मिला। इसके बाद तत्काल घटना की सूचना कदमा थाना पुलिस को दी गई।

जेएचआरसी ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड मानवाधिकार सम्मेलन (जेएचआरसी) ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। संगठन के मनोज मिश्रा ने बताया कि जमशेदपुर शहर सहित जिले में हत्या, छिनतई, लूट, रंगदारी, महिला अपराध, नशे के कारोबार और अन्य गंभीर आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 90 दिनों की स्पष्ट कार्ययोजना और समयसीमा तय की जानी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि मई से जुलाई 2026 के बीच हत्या, चेन छिनतई, गोलीबारी, चाकूबाजी, रंगदारी और लूट की कई घटनाएं सामने आई हैं। कदमा में महिला से चेन छिनतई, उलीडीह में हत्या, बिष्टुपुर के डीडी बार के बाहर हिंसक घटना में हिमांशु सिंह की मौत, साकची में चाकूबाजी तथा परसुडीह और सीतारामडेरा में लूट व रंगदारी से जुड़ी घटनाओं का हवाला दिया गया है।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने अपने मांगो को लेकर किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के केन्द्रीय वर्किंग कमिटी के आह्वान पर पूरे देश में लोकों रनिंग स्टाफ के द्वारा सभी क्रू बुकिंग लॉबी के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। एसोसिएशन का मुख्य मांग है कि केडर पुनर्गठन किया जाय। पिछली बार केडर रिस्ट्रक्चरिंग 2009 मे हुआ था। जहां 17 बर्ष बीत चुके हैं लेकिन अभी तक रिपोर्ट जारी नहीं किया गया है। हम वर्तमान समय में पुराने केडर स्ट्रक्चर में काम करने को मजबूर हैं। केडर पुनर्गठन कमिटि बने पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन रिपोर्ट आज तक जारी नहीं हुई हैं। दूसरी ओर आठवे वेतन आयोग लागू होने को है। रेलवे बोर्ड से हमारे लड़ाई में ग्रेड पे में उचित सुधार के लिए, केडर की उचित पुन संरचना

के लिए,काम के बदले उचित दाम, नियत संगत सेवा शर्तों के लिए और लोकों रनिंग स्टाफ के बेहतर भविष्य के लिए लोकों रनिंग के कर्तव्य अन्य कर्मचारियों के श्रेणियों से बिल्कुल भिन्न है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से एकाग्रता, सतर्कता की आवश्यकता होती है, हजारों यात्री की जान की सुरक्षा होती है। परिचालन मे छोटी चूक के लिए सेवा से बर्खास्तगी का प्रावधान है।सभी वर्गो के लोकों पायलट एवं हाई स्पीड लोकों पायलट के लिए उनके कठिन कार्य स्किल, रिस्पॉन्स और रिस्क में अन्तर के आधार पर अलग अलग लेवल की मांग रखी है। सहायक लोकों पायलट लेवल 6 लोकों पायलट शटर ग्रेड 2 (50%) लेवल 6, लोकों पायलट शटर ग्रेड 1 (50%) लेवल 7, लोकों पायलट गुड्स-लेवल 7, लोकों पायलट पैसेंजर-लेवल 8, लोकों पायलट मेल-लेवल 9, हाई स्पीड, बन्दे भारत,अमृत भारत-लेवल 10 है।

कोलाजोड़ा पंचायत में एआईएमआईएम का जनसंपर्क अभियान, संगठन विस्तार पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की ओर से कोलाजोड़ा पंचायत में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। यह अभियान पार्टी के पूर्व विधायक सह संथाल परगना प्रभारी अकिल अख्तर के निर्देश और जिला अध्यक्ष मो. शम्साद आलम के नेतृत्व में आयोजित हुआ। अभियान के दौरान जिला अध्यक्ष ने पंचायत क्षेत्र के लोगों और कार्यकताओं से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लेकर लोगों से संवाद किया गया। इस दौरान संगठन को पंचायत स्तर पर मजबूत करने, नए लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा सदस्यता अभियान को गति देने पर चर्चा हुई। जिला

उपाध्यक्ष याफोस अली और जिला सचिव एनी रोज मुर्मू भी अभियान में शामिल रहीं। जिला अध्यक्ष मो. शम्साद आलम ने कहा कि एआईएमआईएम का उद्देश्य गांव और पंचायत स्तर तक सक्रिय संगठन तैयार करना है। आम लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जिले के विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क और सदस्यता अभियान लगातार चलाया जाएगा।

रानीपुर चेक पोस्ट का जिला खनन पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में बुधवार देर रात जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार एवं खनन निरीक्षक द्वारा हिरणपुर अंचल अंतर्गत रानीपुर चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान चेक पोस्ट की

कार्यप्रणाली, खनिज परिवहन से संबंधित अभिलेखों एवं वाहनों की जांच व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला खनन पदाधिकारी व खनन निरीक्षक ने खनिज परिवहन में निर्धारित नियमों के अनुपालन, आवश्यक दस्तावेजों की उपलब्धता तथा वाहनों की जांच प्रक्रिया की समीक्षा की। संबंधित कर्मियों को चेक पोस्ट से गुजरने वाले खनिज परिवहन वाहनों की नियमित एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार ने निर्देश दिया कि खनिजों के अवैध परिवहन एवं नियमों के उल्लंघन पर पूरी सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संदिग्ध वाहनों एवं मामलों की जांच करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं खनिजों के अवैध भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन एवं खनन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों का गंभीरता एवं तत्परता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने चेक पोस्ट पर जांच व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा खनिज परिवहन से संबंधित नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने हर घर तिरंगा अभियान को लेकर निकाला भव्य तिरंगा यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अव्वाहन पर हर घर तिरंगा के निमित भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष गौतम यादव के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में कई भाजपा कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अनंत ओझा, पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद, कृपानाथ मंडल एवं धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा के संयोजक जिला महामंत्री साखलू सोरेन एवं सह-संयोजक जिला महामंत्री धनंजय कुमार मंडल रहे।

कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडल, जिला के वरिष्ठ पदाधिकारी सोनेलाल ठाकुर, राजेश मंदक, शयमल दास,पंकज घोष, कृष्णा शर्मा, धीरन तांती, बप्पी निर्मल साह संजीव गया,सागर मंडल, चांदनी देवी, चंद्रभान शर्मा, प्रेमलाल मंडल, नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी, ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग राहुल शिवम शर्मा,संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा की शुरूआत शहीद चौक पर शहीदों को माल्यार्पण के साथ हुई और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ यात्रा का समापन हुआ।मार्ग में प्रतिष्ठित सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यात्रा में की टीम, जिले के सभी मंडलों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी,वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता, मातृशक्ति तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। पूरे यात्रा मार्ग पर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण देशभक्तिमय हो गया।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न, उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर आज मुख्य समारोह स्थल सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से परेड के अंतिम पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड की विभिन्न टुकड़ियों का निरीक्षण करते

हुए सलामी ली तथा जवानों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर एवं सार्जेंट के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं गरिमापूर्ण ढंग से मार्च-पास्ट का पूर्वाभ्यास किया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम से पूर्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात ध्वजारोहण का पूर्वाभ्यास किया गया तथा परेड की सलामी ली गई। स्कूली छात्राओं द्वारा ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीय गीत एवं ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का भी पूर्वाभ्यास किया गया।उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समारोह स्थल पर सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अतिथियों एवं आम नागरिकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, मंच, पंडाल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

ध्वजारोहण की समय-सारणी

सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, मुख्य समारोह स्थल — पूर्वाह्न 9:15 बजे, समाहरणालय, साहिबगंज — पूर्वाह्न 10:35 बजे, विकास भवन, साहिबगंज — पूर्वाह्न 10:55 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय — पूर्वाह्न 11:15 बजे, पुलिस लाइन कार्यालय— पूर्वाह्न 11:25 बजे, अनुमंडल कार्यालय, साहिबगंज — पूर्वाह्न 11:45 बजे, इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कार्यालयों एवं विद्यालयों में मुख्य समारोह स्थल पर निर्धारित झंडोत्तोलन कार्यक्रम से पूर्व ध्वजारोहण किया जाएगा। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के अलावा जिले के वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जवान, एनसीसी कैडेट्स, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर साइकिलिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पाकुड़ : ज़िले में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन, खेल भावना एवं नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइकिलिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, अनुमंडल पदाधिकारी, पाकुड़ एसडीपीओ, कार्यपालक पदाधिकारी एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ साइकिलिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। साइकिलिंग मैराथन पाकुड़–2026 के विजेता– पुरुष वर्ग : प्रथम – बबंत हंसदा, द्वितीय– सोइबुल शेख, तृतीय– सहबाज अली, चतुर्थ– राजकुमार, पंचम– नजमी शेख। महिला वर्ग : प्रथम– सोहागिनी हंसदा, द्वितीय– सोनाली हंसदा, तृतीय – अंकिता मंडल, चतुर्थ– लक्ष्मी भगत, पंचम – रेयाक्षा परवीन। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को जिला साइकिलिंग संघ की ओर से क्रमशः 5,000, 3,000 एवं 2,000 का नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त कर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं खुशी देखने को मिली। उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि साइकिलिंग जैसे आयोजन युवाओं को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के साथ–साथ अनुशासन और खेल भावना के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए युवाओं से खेल एवं फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संस्कृति ज्ञान महाअभियान का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज : गुरुवार को विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज के वंदना कक्ष में संस्कृति ज्ञान महाअभियान का शुभारंभ श्याम मंदिर के पुजारी सोनू पांडे, वरिष्ठ आचार्या किरण कुमारी गुप्ता, संस्कृति बोध परियोजना के साहिबगंज संकुल संयोजक आचार्य राघव वत्स ने सरस्वती माता, ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया। किरण कुमारी गुप्ता ने सोनू पांडे को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। संस्कृति ज्ञान महाअभियान को संबोधित करते हुए सोनू पांडे ने बताया कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति है जिसमें मानव जीवन ही नहीं, संपूर्ण सृष्टि के लिए जीवन आदर्शों की अभिव्यक्ति है। आचार्य राघव वत्स ने बताया कि अनेकता में एकता भारत की सांस्कृतिक विशेषता है। सोनू पांडे के साथ विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु ने संस्कृति ज्ञान महाअभियान के पुस्तकों का विमोचन किया। महाअभियान का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत पूर्व रेलवे स्कूल में क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित

साहिबगंज: हर घर तिरंगा अभियान–2026 के तहत मालदा मंडल, पूर्व रेलवे द्वारा मंडल के विभिन्न स्थानों पर देशभक्ति एवं जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का आयोजन मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन में किया गया। रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लिया। हर घर तिरंगा अभियान 2026 का आयोजन दिनांक 9 से 17 अगस्त तक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जनभागीदारी को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति गौरव की भावना को सुदृढ़ करना है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से रेलवे कर्मियों एवं रेलवे समुदाय के सदस्यों को सामूहिक रूप से राष्ट्रध्वज के सम्मान में भागीदारी करने तथा देशभक्ति, एकता एवं राष्ट्रीय जिम्मेदारी के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर मिला। इसी क्रम में पूर्व रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज के विद्यार्थियों के लिए भी हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित विषयों पर अपनी जानकारी एवं जागरूकता का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय गौरव, देशभक्ति एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करना था। हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों को अपने घरों, कार्यस्थलों तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे तिरंगे के साथ लोगों का भावनात्मक जुड़ाव और गहरा होता है तथा राष्ट्रीय गौरव एवं एकता की भावना को सुदृढ़ करने में सहायता मिलती है।

बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

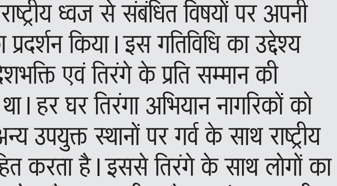

साहिबगंज: जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के निदेशानुसार जमुना दास चौधरी बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज में किशोरियों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत, बाल संरक्षण, पॉक्सो एक्ट, गुड टच–बैड टच, डिजिटल साक्षरता, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, डायन प्रथा उन्मूलन एवं सखी वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न विषयों पर बालिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने किशोरियों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देते हुए शिक्षा को निरंतर जारी रखने, सुरक्षित एवं जागरूक रहने तथा बाल विवाह एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर एवं फोस्टर केयर जैसी सेवाओं के बारे में भी बताया गया। अभियान के दौरान एक पेड़ बेटी के नाम पहल के तहत किशोरियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा उन्हें सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

एक नजर

फ्लाई ऐश लदे हाइवा की चपेट में आने से 85 वर्षीय वृद्ध की मौत

इटखोरी : चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत भद्रकाली कॉलेज के पास गुरुवार अहले सुबह फ्लाई ऐश लदे हाइवा की टक्कर से 85 वर्षीय सहदेव राणा की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने हाइवा को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के गणेशपुर निवासी सहदेव राणा सुबह कहीं जा रहे थे। इसी दौरान फ्लाई ऐश लदे हाइवा ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। बताया गया कि हजारीबाग ले जाने के दौरान रास्ते में ही सहदेव राणा की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने शव को सदर अस्पताल, चतरा भेजा, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में हाइवा परिचालन को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवा क्षेत्र में काल बन चुके हैं। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले करीब 10 दिनों में हाइवा की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों ने भारी वाहनों के परिचालन को नियंत्रित करने तथा सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

पावर हाउस का 17 अगस्त को घेराव व तालाबंदी की घोषणा

इटखोरी : परसौनी पंचायत के पूर्व मुखिया श्याम प्रसाद सिंह के नेतृत्व में आगामी 17 अगस्त को विद्युत विभाग के पावर हाउस इटखोरी का घेराव एवं तालाबंदी करने की घोषणा की गई है। इस संबंध में पत्र के माध्यम से चतरा उपायुक्त, विद्युत विभाग के कनीय अभियंता, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारियों को सूचना दी गई है। श्याम प्रसाद सिंह ने कहा कि इटखोरी प्रखंड क्षेत्र में ही चोरकारी पावर ग्रिड स्थापित है, जहां से पूरे जिले को निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जाती है। इसके बावजूद इटखोरी प्रखंड क्षेत्र में बिजली की आंख-मिचौनी से उपभोक्ता परेशान हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के उपभोक्ताओं की मांग है कि इटखोरी को भी चोरकारी पावर ग्रिड से जोड़ा जाए, ताकि बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार हो सके। पूर्व मुखिया ने स्पष्ट किया कि जब तक इटखोरी को पावर ग्रिड से नहीं जोड़ा जाता, तब तक तालाबंदी का आंदोलन जारी रहेगा।

चोरी के मोटर पंप, बैटरी सहित अन्य सामानों के साथ दो चोर गिरफ्तार

गढवा : जिले के चिनिया थाना क्षेत्र के बिलैतीखैर गांव में 09 अगस्त को हुई चोरी मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर चोरी के मोटर पंप, बैटरी सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बिलैतीखैर मुखलाल यादव और सुनील कुमार की दो मोटर पंप एवं सुरेन्द्र पाल के जरनेटर का अल्टीनेटर, ट्रक की दो बैटरी एवं डीजल चोरी के संबंध में 12 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। घटना में इस्तेमाल एक बाइक, हैक्सा ब्लेड एवं सलाई रिंच बरामद किया गया है। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में बिलैतीखैर गांव के अजय कुमार यादव (22) और सोनू कुमार साव (23) को गिरफ्तार किया। दोनों ने मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पूछताछ में दोनों की स्वीकारोक्ति बयान पर गांव में छिपाकर रखे गए चोरी की कई सामान बरामद किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल, डीसी-एसपी ने लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : स्वतंत्रता दिवस-2026 के सफल एवं गरिमामय आयोजन को लेकर गुरुवार को मुख्य कार्यक्रम स्थल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। उपायुक्त रवि आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने रिहर्सल का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न परेड टुकड़ियों ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप पूर्वाभ्यास किया। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के आगमन पर परेड टुकड़ियों द्वारा सलामी दी गई। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने परेड का निरीक्षण किया। रिहर्सल में एसएसबी 35वीं बटालियन, डीएपी, जिला पुलिस बल, गृह रक्षक बल, डीएवी एनसीसी बॉयज, डीएवी एनसीसी गर्ल्स, इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय चतरा सहित विभिन्न विद्यालयों की टुकड़ियों ने मार्च-पास्ट एवं अन्य गतिविधियों का पूर्वाभ्यास किया। विद्यालयी छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय गान एवं बैंड प्रस्तुति का भी अभ्यास किया। फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मुख्य कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, साज-सज्जा, पेयजल, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, विद्युत एवं ध्वनि व्यवस्था, अग्निशमन, एंबुलेंस तथा सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करते हुए शेष तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूरी करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने परेड टुकड़ियों के पूर्वाभ्यास का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य समारोह के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर में सुबह 8:00 बजे, फांसी तालाब स्थित शहीद स्मारक पर 8:15 बजे, पोस्ट ऑफिस मोड़ स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर 8:25 बजे, रेड क्रॉस में 8:30 बजे तथा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मुख्य समारोह के दौरान सुबह 9:05 बजे निर्धारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य समारोह में परेड, राष्ट्रीय गान सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इसके बाद दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जिला प्रशासन एवं पत्रकार एकादश के बीच फैंसी फुटबॉल मैच आयोजित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित सहित संबंधित वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, परेड से जुड़े कर्मी एवं अन्य संबंधित मौजूद रहे।

होटल में ठहरे जमशेदपुर के बैंककर्मी की चाईबासा में मौत, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : जमशेदपुर के बिरसानगर निवासी बैंककर्मी संजीव कुमार शर्मा उर्फ सोना (48) की चाईबासा में अचानक मौत हो गई। संजीव आईडीएफसी बैंक के वित्त विभाग में कार्यरत थे और वाहनों के ऋण की वसूली के सिलसिले में चाईबासा आते-जाते रहते थे। वे 11 अगस्त को जमशेदपुर से चाईबासा पहुंचे थे और शाम करीब सात बजे मधु बाजार स्थित केएनआर होटल में कमरा लेकर ठहरे थे।

जानकारी के मुताबिक, 12 अगस्त की सुबह संजीव होटल से बाहर निकले। उन्होंने पास की एक दुकान से कुछ सामान खरीदा और वहां से आगे बढ़े ही थे कि अचानक सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

संजीव की मौत की सूचना मिलने पर उनके बड़े भाई राहुल रंजन शर्मा और मनोज शर्मा चाईबासा पहुंचे। परिजनों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही संजीव की मौत हो चुकी थी। गुरुवार को सदर थाना पुलिस की मौजूदगी में सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, होटल के कमरे की जांच के दौरान पुलिस और परिजनों को कुछ ऐसी बातें भी सामने आईं, जिनसे मौत को लेकर संदेह पैदा हुआ है। परिजनों के अनुसार संजीव के साथ होटल में एक महिला भी आई थी, जिसकी पहचान परिवार के लोग नहीं कर सके। कमरे से खाने-पीने का सामान, दो गिलास और शराब की बोतल बरामद होने की बात भी सामने आई है। संजीव के पेट पर एक निशान मिलने की बात परिजनों ने कही है। परिवार के सदस्यों ने संजीव की मौत के कारण को लेकर आशंका जताते हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कही है।

चतरा कॉलेज में एसआईआर को लेकर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : गुरुवार को चतरा महाविद्यालय, चतरा के बीसीए विभाग में जिला निर्वाचन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार झा के संबोधन से हुई। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है अथवा 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष हो जाएगी, वे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं, ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सक्षम हो सकें। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे दिनकर कुमार ने विद्यार्थियों को ईसीआई ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के साथ-साथ मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न प्रकार के सुधार भी किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐप के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया और मतदाता सूची में अपने विवरण की जांच करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के करीब 120 नए विद्यार्थियों ने भाग लिया और विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बीसीए विभाग के समन्वयक डॉ. हेमंत कुमार मिश्रा, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एल्विन बाखला, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष अतुल अनुराग तिर्की, इतिहास विभाग के अमित प्रवीण तिग्गा, मनोविज्ञान विभाग के डॉ. अंशुमय लायक सहित बीसीए विभाग के हीरामन महतो, श्रेया प्रकाश, पंकज पांडे एवं विजय साँगा उपस्थित रहे।

तीन माह से वेतन लंबित, माध्यमिक शिक्षकों ने डीईओ कार्यालय घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ, चतरा जिला इकाई के बैनर तले जिले के माध्यमिक शिक्षकों ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। आंदोलन का नेतृत्व संघ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र राम ने किया। इस दौरान शिक्षकों ने तीन माह से वेतन भुगतान लंबित रहने पर विभागीय कार्यशैली के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। शिक्षकों का आरोप है कि विभाग के पास वेतन भुगतान के लिए आवश्यक आवंटन उपलब्ध रहने के बावजूद कार्यालय की लापरवाही के कारण समय पर वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कार्यालय स्तर से समय पर वेतन तैयार नहीं किए जाने के कारण शिक्षकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार तीन माह से वेतन नहीं मिलने से शिक्षकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घेराव के दौरान शिक्षकों ने वेतन भुगतान के अलावा स्थानांतरण, प्रतिनियोजन, मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश समेत अन्य लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन की मांग उठाई। शिक्षकों का कहना था कि इन मामलों में अनावश्यक देरी के कारण उन्हें बार-बार कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। संघ ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से सभी लंबित मामलों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन करने की मांग की। शिक्षकों ने कार्यालय के बड़ा बाबू मो. मोजाहिद आलम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वेतन तैयार करने के लिए उपस्थिति विवरणी (अपसेंटी) के साथ शिक्षकों से कथित रूप से रुपये लिए जाते हैं। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि रुपये देने से इनकार करने वाले शिक्षकों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। संघ ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से पूरे मामले की जांच कराने तथा मो. मोजाहिद आलम को कार्यालय से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। शिक्षकों की समस्याएं सुनने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बेलहर में विशाल वस्त्रालय का भव्य उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पत्थलगड़ा : पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह पंचायत अंतर्गत बेलहर में गुरुवार को विशाल वस्त्रालय कपड़ा दुकान का भव्य उद्घाटन किया गया। दुकान का शुभारंभ पत्थलगड़ा प्रमुख मनीषा कुमारी, जिला परिषद सदस्य रामसेवक दांगी एवं अंचल अधिकारी ऊदल राम ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान गणमान्य लोगों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद दुकान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। दुकान के संचालक सुनील दांगी ने बताया कि सिमरिया रोड, बेलहर में शुरू की गई इस दुकान में महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों के लिए आधुनिक डिजाइन के कपड़े उपलब्ध होंगे। यहां साड़ी, जींस, शर्ट, टी-शर्ट समेत विभिन्न प्रकार के वस्त्र एक ही जगह मिलेंगे। ग्राहकों को उचित मूल्य पर सामान उपलब्ध कराने की बात संचालक ने कही। इस मौके पर पत्थलगड़ा प्रमुख मनीषा कुमारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुलने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ खरीदारी की बेहतर सुविधा भी उपलब्ध होगी।

रक्सी पुल लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, चार आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा जिले के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रक्सी पुल के पास विकास कुमार से हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल, 90 रुपये नकद समेत घटना में प्रयुक्त चाकू, लोहे के रड में लगा चेन का रिंग और लकड़ी का डंडा बरामद किया गया है। उक्त जानकारी डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि घटना 11 अगस्त की रात करीब एक बजे की है। झारखंड राज्य सहकारी दूध उत्पादक महासंघ लिमिटेड, होशील से काम कर विकास कुमार अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रक्सी पुल के पास चार अपराधियों ने उन्हें रोककर मोबाइल और रुपये लूट लिए। घटना के संबंध में वशिष्ठ नगर थाना में कांड संख्या 118/2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के निर्देश पर डीएसपी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने लगातार छापामारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सी गांव निवासी बुधन भारती के पुत्र अरविंद कुमार, कैलाश गंझू के पुत्र वीरेंद्र कुमार उर्फ वीरेंद्र गंझू, प्रमोद गंझू के पुत्र अजीत कुमार तथा भीम गंझू के पुत्र प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अरविंद कुमार के पास से लूटा गया मोबाइल बरामद किया गया। आरोपियों के पास से लूट की घटना में इस्तेमाल चाकू, कच्ची लकड़ी का डंडा एवं लोहे के रड में चेन से बना रिंग भी बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, इन सामानों का इस्तेमाल वारदात के दौरान किया गया था। छापामारी टीम में डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक हंटरगंज अंचल विपिन कुमार, वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह, पुअनि शिवा यादव एवं सअनि दिलीप कुमार शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

एसएसबी ने चलाया जागरूकता अभियान विद्यालय परिसर में किया पौधरोपण

सिमरिया : 35वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की डी समवाय, शिला के तत्वावधान में गुरुवार को सिमरिया प्रखंड के शिला स्थित ज्ञान भारती विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण, हर घर तिरंगा एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वाहिनी मुख्यालय के कमांडेंट संजीव कुमार के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक कमांडेंट उत्तम कुमार पॉल एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार ने किया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं एसएसबी जवानों ने संयुक्त रूप से विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद हर घर तिरंगा अभियान को लेकर शिला बाजार तक पैदल मार्च निकाला गया। इसमें एसएसबी के निरीक्षक सामान्य विजय पाल सहित कुल 20 जवानों ने भाग लिया। जवानों ने लोगों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के प्रति जागरूक किया। मौके पर लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हाइवा छोड़ो आंदोलन में हिंसा का आरोप दो फ्लाई ऐश वाहन चालकों से मारपीट

टंडवा : पिछले चार दिनों से भारी वाहनों का परिचालन ठप कराने को लेकर चल रहे 'चतरा हाइवा छोड़ो आंदोलन' के बीच बुधवार देर रात आंदोलनकारियों पर हिंसक और आक्रामक रुख अपनाने का गंभीर आरोप लगा है। सिमरिया थाना क्षेत्र के डाड़ी स्कूल (डाड़ी चौक) के समीप फ्लाई ऐश लदे दो वाहनों के चालकों के साथ कथित तौर पर मारपीट, पथराव एवं रुपये छीनने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पीड़ित वाहन चालकों ने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर आंदोलन के मुख्य नेतृत्वकर्ता मनोज कुमार चंद्रा, चंद्रदेव साहू समेत 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। हालांकि, आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। लिखित शिकायत के अनुसार, पीड़ित चालक मुकेश कुमार (गया) एवं रंजीत कुमार (नालंदा) एनटीपीसी टंडवा से फ्लाई ऐश लदे टेलर लेकर पिछले तीन दिनों से सड़क पर फंसे हुए थे। आरोप है कि बुधवार रात करीब 12 बजे लाठी-डंडे एवं लोहे की रॉड से लैस लोगों ने दोनों चालकों पर हमला कर दिया और रुपये की मांग की। चालकों द्वारा विरोध करने पर कथित रूप से उनके साथ मारपीट की गई। इसी दौरान पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी को आते देख हमलावर भागने लगे। चालकों ने स्थानीय लोगों की मदद से दो कथित हमलावरों पवन कुमार एवं रुपेश कुमार, दोनों डाड़ी निवासी, को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मौके से एक पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त किए जाने की बात कही गई है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इधर, चक्का जाम और तनाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट है। टंडवा सीओ गौरव कुमार राय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को आधिकारिक पत्र जारी किया है। इसके तहत गुरुवार को अंचल सह प्रखंड कार्यालय टंडवा के सभागार में उच्चस्तरीय समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में सभी ओनर एसोसिएशन, एनटीपीसी एवं सीसीएल की विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधक, प्रमुख ट्रांसपोर्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरीय प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य पांच दिनों से जारी गतिरोध को समाप्त कर भारी वाहनों का परिचालन सामान्य कराना बताया गया है।

हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलन पांचवें दिन भी जारी, कोयला-फ्लाई ऐश ढुलाई ठप

सिमरिया : कोयला एवं फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टिंग के विरोध में चल रहा हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलन गुरुवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय स्थित सुभाष चौक पर सर्वदलीय संघर्ष समिति के बैनर तले आंदोलन जारी रहने के कारण कोयला एवं फ्लाई ऐश की ढुलाई प्रभावित रही। ढुलाई बंद रहने के कारण टंडवा से सेरनदाग, मिश्रौल, धनगड्डा और सिमरिया तक कोयला एवं फ्लाई ऐश वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। कोयला एवं फ्लाई ऐश की ढुलाई बाधित होने से सीसीएल, एनटीपीसी और ट्रांसपोर्टरों को प्रतिदिन लाखों रुपये के नुकसान का दावा किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार, सामान्य दिनों में प्रतिदिन करीब एक हजार हाइवा से लगभग 25 हजार टन कोयला कटकमसांडी रेलवे साइडिंग तक पहुंचाया जाता था। आंदोलन के कारण पिछले चार दिनों से यह परिवहन ठप पड़ा है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे झामुमो नेता मनोज कुमार चंद्रा ने कहा कि जिला प्रशासन समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कई वर्षों से कोयला ढुलाई जारी है। उनके अनुसार, कोल वाहनों के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन मृतकों के आश्रित परिवारों के लिए प्रशासन, सीसीएल एवं एनटीपीसी की ओर से अब तक कोई स्थायी क्षतिपूर्ति एवं मुआवजा नीति निर्धारित नहीं की गई है। इसके कारण मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। आंदोलनकारियों ने हजारीबाग जिले से निकलने वाले कोयले की सिमरिया मार्ग से ढुलाई तत्काल बंद करने तथा सिमरिया-चतरा सड़क पर कोल वाहनों, फ्लाई ऐश वाहनों एवं अन्य भारी वाहनों का परिचालन बंद करने की मांग की है। इधर, सूत्रों के अनुसार सिमरिया चौक पर आंदोलन के कारण कथित रूप से ग्रामीण सड़कों से कोयले की ढुलाई किए जाने की सूचना सामने आई है। बताया गया कि रात के अंधेरे में पत्थलगड़ा प्रखंड के नावाडीह मार्ग से कोयला ढोया जा रहा था।

तेजस्वी के लोकभवन मार्च पर बिहार के मंत्री बोले- एक सीट कम मिलती तो नेता प्रतिपक्ष नहीं होते, प्रशांत किशोर पर भी साधा निशाना

पटना (एजेंसी) बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने तेजस्वी पर तंज कसते हुए कई सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि विपक्ष की एक सीट कम होती तो वे नेता प्रतिपक्ष नहीं होते. उन्होंने प्रशांत किशोर, हाजीपुर हत्याकांड और अङ-47 के इस्तेमाल पर सरकार के फैसले को लेकर भी बयान दिया. बिहार में तेजस्वी यादव के लोकभवन मार्च के ऐलान के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. फखऊ19 अगस्त को पटना में मार्च निकालने वाली है. अब मंत्री श्रवण कुमार ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है. उन्होंने तेजस्वी के मार्च को लेकर तंज कसा. साथ ही मुख्यमंत्री की बीजेपी मंत्रियों के साथ बैठक, हाजीपुर हत्याकांड और प्रशांत किशोर के नौकरी वाले दावे पर भी प्रतिक्रिया दी. ह्यएक सीट कम मिलती तो नेता प्रतिपक्ष नहीं होतेह्व तेजस्वी यादव के लोकभवन मार्च पर श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार

की जनता ने अगर विपक्ष को एक सीट कम दी होती तो तेजस्वी यादव नेता प्रतिपक्ष नहीं होते. उन्होंने कहा कि जिसने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के दिन का ऐलान कर दिया हो, वो कहीं भी जा सकते हैं. मंत्री ने यह भी कहा कि जिस मामले को लेकर तेजस्वी राजभवन जा रहे हैं, उस पर सरकार पहले से कार्रवाई कर रही है. इखढ मंत्रियों के साथ उट की बैठक पर बोले- कयास की जरूरत नहींमुख्यमंत्री की बीजेपी के मंत्रियों के साथ हुई बैठक पर भी श्रवण कुमार ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बीजेपी के मंत्रियों से बातचीत कर रहे हैं. इसमें किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? उन्होंने कहा कि बीजेपी के मंत्रियों ने खुद बताया है कि बैठक किस वजह से हुई थी. श्रवण कुमार ने कहा कि उनके पास भी एक दिन पहले कई मंत्री आए थे और अलग-अलग मुद्दों पर बातचीत हुई. उन्होंने दावा किया कि सब ठीक है और आगे भी सब ठीक रहेगा.हाजीपुर हत्याकांड पर क्या बोले श्रवण कुमार? हाजीपुर में हुई हत्या के मामले पर मंत्री ने इसे संवेदनशील घटना बताया. उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही हत्या की असली वजह सामने आएगी. श्रवण कुमार ने कहा कि पुलिस जब अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है तो सवाल भी उठते हैं. लेकिन अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ होना जरूरी है. प्रशांत किशोर के नौकरी वाले दावे पर भी हमला प्रशांत किशोर की ओर से नौकरी बांटने के दावे पर श्रवण कुमार ने भी पलटवार किया. उन्होंने कहा कि उनकी बातों पर अब किसी को भरोसा नहीं है. मंत्री ने 2025 के विधानसभा चुनाव के दौरान प्रशांत किशोर के एक बयान का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि उस समय प्रशांत किशोर ने कहा था कि अगर नीतीश कुमार की पार्टी 25 सीट जीतती है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे. श्रवण कुमार ने सवाल किया कि अब तक उन्होंने संन्यास क्यों नहीं लिया? उन्होंने प्रशांत किशोर से यह भी पूछा कि अब तक उन्होंने कितने लोगों को रोजगार दिया और कितने लोगों को बेरोजगार किया, इसकी सूची जारी करें. ह्यचुनाव में नौकरी दी और अब निकाल दियाह्व श्रवण कुमार ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान लोगों को नौकरी देने की बात कही गई थी. अब उन्हीं लोगों को काम से निकाल दिया गया. उन्होंने कहा कि ऐसे दावों पर जनता को भरोसा करने से पहले पूरी जानकारी देखनी चाहिए. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें अङ-47 के इस्तेमाल पर सरकार के फैसले का बचाव जन प्रदर्शनों के दौरान अङ-47 और अन्य अत्याधुनिक हथियारों के इस्तेमाल पर रोक के फैसले का भी श्रवण कुमार ने समर्थन किया. उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन के दौरान सरकार घटना की समीक्षा करती है. इसी समीक्षा के बाद हथियारों के इस्तेमाल को लेकर यह निर्णय लिया गया है. 19 अगस्त को तेजस्वी निकालेंगे लोकभवन मार्च तेजस्वी यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रेसवार्ता कर 19 अगस्त को पटना में मार्च निकालने का ऐलान किया था. यह मार्च वीरचंद पटेल पथ स्थित फखऊ मुख्यालय से लोकभवन तक जाएगा. तेजस्वी ने कहा था कि इसमें पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और कार्यकर्ता शामिल होंगे. उन्होंने यह भी कहा था कि बिहार को पुलिसिया स्टेट नहीं बनने दिया जाएगा. अब इस ऐलान के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं.

संक्षिप्त डायरी

2700 करोड़ की पीरपैंती-जसीडीह रेल लाइन के काम ने पकड़ी रफ्तार, 97 किमी लंबा बिछेगा ट्रैक

पटना (एजेंसी) भागलपुर और इसके आसपास के लोगों के लिए राहत भरी खबर है. पीरपैंती-जसीडीह रेल लाइन के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है. इसके लिए 97 किलोमीटर लंबा ट्रैक बिछाया जाएगा. इसकी लागत लगभग 2700 करोड़ रुपये बताई जा रही है. भागलपुर और इसके आसपास के जिलों में रेल कनेक्टिविटी पहले से और भी मजबूत होने वाली है. सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि झारखंड तक लोगों का आना-जाना आसान होने वाला है. पीरपैंती-जसीडीह नई रेल लाइन परियोजना बेहद खास मानी जा रही है. पीरपैंती-जसीडीह नई रेल लाइन के निर्माण के बारे में जानकारी सांसद अजय कुमार मंडल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए दी. उन्होंने लिखा, 'लोकसभा में मेरे प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी की तरफ से भागलपुर क्षेत्र से जुड़ी अलग-अलग रेल परियोजनाओं की स्थिति साझा की गई'. 38 किलोमीटर लंबा रेल लाइन बनकर चालू जानकारी के मुताबिक, 97 किलोमीटर लंबी पीरपैंती-जसीडीह रेल लाइन की स्वीकृत लागत लगभग 2700 करोड़ रुपये है. अब तक इस परियोजना पर करीब 1697 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं. वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 270 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. सबसे अहम बात यह है कि प्रस्तावित 97 किलोमीटर में से 38 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण पूरा होकर चालू भी हो चुका है. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें लेकिन परियोजना को लेकर अभी काफी काम बाकी है. जमीन अधिग्रहण की बात करें तो टोटल 613 हेक्टेयर में से 338 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण पूरा हो चुका है. निर्माण कार्य में 31 बड़े पुलों में से 3 और 119 छोटे पुलों में से 45 पूरे किए जा चुके हैं. इसके अलावा 37 रोड ओवरब्रिज में से 25 का काम भी पूरा हो गया है. सांसद ने अपने पोस्ट में क्या-क्या लिखा? सांसद ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा, 'पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण और साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन, भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट दोहरीकरण और सुल्तानगंज-कटोरिया नई रेल लाइन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य जारी है'. आगे उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 'अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कहलगांव, पीरपैंती, सबौर एवं शिवनारायणपुर स्टेशनों का विकास कार्य पूरा हो चुका है और भागलपुर जंक्शन पर आधुनिक यात्री सुविधाओं का विकास कार्य प्रगति पर है. भागलपुर की रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय की तरफ से किए जा रहे इन प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करता हूं'. इस रेल परियोजना के पूरी तरह तैयार होने के बाद भागलपुर की कनेक्टिविटी को फायदा मिलने की उम्मीद है. यात्रियों की आवाजाही आसान होने के साथ व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल सकती है.

10 सेकेंड में 5 गोलियां : हाजीपुर में ठेकेदार की निर्मम हत्या का वीडियो आया सामने

पटना (एजेंसी) हाजीपुर से ठेकेदार की हत्या की खबर सामने आई है, मॉर्निंग वॉक पर निकले एक बड़े ठेकेदार की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई. पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है, हाजीपुर से कैफ अहमद की रिपोर्ट बिहार के हाजीपुर में सुबह- सुबह ठेकेदार की हत्या की खबर सामने आई है. अब घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है. सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि मॉर्निंग वॉक कर रहे ठेकेदार के सामने अचानक कुछ लोग बाइक से आते हैं. ठेकेदार स्थिति को देखते हुए मौके से भागने लगते हैं. बाइक सवार बदमाश ठेकेदार का पीछा करते हैं. महज 10 सेकेंड में शूटरों ने ठेकेदार की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए.

क्या है पूरा मामलादरअसल, मामला हाजीपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के दीग्गी इलाके का है. जहां गुरुवार की सुबह करीब पांच बजे अपराधियों ने जिले के बड़े ठेकेदार रामनरेश राय की गोली मारकर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि वह हर दिन की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे. हत्या की खबर फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया. स्थानीय लोगों तथा व्यवसायियों में आक्रोश का माहौल बन गया. सीसीटीवी में कैद हुई वारदात सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि महज 10 सेकेंड में बदमाशों ने घटना को अंजाम दे दिया. घटनास्थल के समीप लगे कैमरे में वारदात से जुड़ी गतिविधियां कैद हुई हैं. फुटेज में रामनरेश राय सड़क पर सामान्य तरीके से टहलते दिखाई दे रहे हैं. इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अपराधी उनके पास पहुंचे और अपनी बाइक रोक दी. फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बाइक सवार अपराधियों ने रामनरेश राय से कुछ देर बातचीत की. इसके बाद ठेकेदार ने स्थिति को भांपते हुए वहां से भागने की कोशिश की. इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे दो अपराधी नीचे उतरे और उनका पीछा करने लगे. फुटेज के अनुसार, दोनों अपराधी ठेकेदार का पीछा करते हुए पास के जंगल की तरफ गए. इसी इलाके में रामनरेश राय को गोली मार दी गई. गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई. वारदात के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए. फुटेज से पुलिस को मिल सकता है अहम सुराग घटना के बाद सामने आया फुटेज पुलिस जांच में अहम कड़ी माना जा रहा है. फुटेज में अपराधियों की गतिविधियां और वारदात से पहले की घटनाएं दिखाई दे रही हैं. पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है. हाजीपुर एसपी ने बताया कि साव पांच बजे जब ठेकेदार अपने घर के पास मॉर्निंग वॉक कर रहे थे तभी दो बाइक से पांच लोग आएं और उनकी गोली मारकर हत्या कर दी. ठेकेदार को 4 गोली लगी है. तीन गोली अपर बॉडी में और एक गोली पैर में लगी है. घटनास्थल पर एफएसएल की टीम मौजूद है. सीसीटीवी की जांच हो रही है. एसपी ने कहा कि 1 महीने पहले एक पक्ष के साथ जमीनी विवाद का मामला सामने आया था. उस एंगल से भी जांच हो रही है.टीम ने जुटाए साक्ष्य घटना की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने इलाके को घेरकर जांच शुरू की और वारदात से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित करने की कार्रवाई की. घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब यानीकी विशेष टीम को भी बुलाया गया. टीम ने मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया. पुलिस फुटेज के अलावा अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कर रही है.

28 अगस्त की आधी रात से बंद होगा विक्रमशिला सेतु, 3 महीने ठप रहेगा परिचालन, 30 नवंबर से शुरू होगा स्थायी सफर

पटना (एजेंसी) उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला विक्रमशिला सेतु 28 अगस्त की आधी रात से पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा. पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में स्थायी स्लैब निर्माण के लिए यह फैसला लिया गया है. सरकार का लक्ष्य 30 नवंबर तक यातायात बहाल करना है, जिसके लिए वैकल्पिक मार्ग भी तैयार किए जा रहे हैं. उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाले लाइफलाइन कहे जाने वाले विक्रमशिला सेतु पर 28 अगस्त की आधी रात से वाहनों व पैदल यात्रियों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा. यह बड़ा फैसला पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से में लगे अस्थायी बेली ब्रिज को हटाकर कंक्रीट के स्थायी स्लैब निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए लिया गया है.

सरकार का लक्ष्य आगामी 30 नवंबर तक सेतु पर स्थायी और निर्बाध यातायात बहाल करने का है. 29 अगस्त की सुबह से पूरी तरह बंद रहेगा आवागमन पुल निर्माण निगम खगड़िया के वरीय परियोजना अभियंता शशिभूषण कुमार के अनुसार, 28 अगस्त की रात से ही विक्रमशिला सेतु पर बैरिकेडिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा. 29 अगस्त की सुबह से वाहनों के साथ-साथ पैदल यात्रियों की आवाजाही पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. पुल के टूटे हिस्से का स्ट्रक्चर और ट्रस ब्रिज हरियाणा में तैयार किया जा रहा है, जो अगले सप्ताह तक भागलपुर पहुंच जाएगा. सितंबर के पहले हफ्ते में वर्तमान बेली ब्रिज को हटाकर 4 सुपर स्ट्रक्चर, एक्सपेंशन जॉइंट और बेयरिंग बदलने की प्रक्रिया शुरू होगी. यात्रियों और व्यावसायिक वाहनों के लिए बनेगा वैकल्पिक रूट सेतु पर तीन महीनों तक परिचालन बंद रहने के कारण अंग प्रदेश, कोसी और सीमांचल क्षेत्र के लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए मजबूत वैकल्पिक व्यवस्था (रूट डायवर्जन और फेरी सेवा) तैयार की जा रही है. पथ निर्माण मंत्री, पटना मुख्यालय के वरीय अधिकारी और जिला प्रशासन संयुक्त बैठक कर रूट डायवर्जन की रूपरेखा जल्द ही फाइनल करेंगे, जिसकी अग्रिम जानकारी आम जनता को उपलब्ध कराई जाएगी. 3 मई को गंगा में गिर गया था 34 मीटर लंबा स्लैब उल्लेखनीय है कि बीते 3 मई की रात विक्रमशिला सेतु के पिलर संख्या 4 और 5 के बीच का लगभग 34 मीटर लंबा स्लैब अचानक टूटकर सीधे गंगा नदी में समा गया था. इसके बाद यातायात बहाल करने के लिए अस्थायी रूप से बेली ब्रिज बनाया गया था. हालांकि, बेली ब्रिज के कारण आए दिन लंबा जाम लग रहा था. अब पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र और तकनीकी टीम के निर्णय अनुसार, काम की गंभीरता को देखते हुए 15 सितंबर के बजाय 28 अगस्त से ही काम शुरू करने का फैसला लिया गया है.

मुखिया का चुनाव लड़ना है तो तैयार कर लें ये 9 जरूरी डॉक्युमेंट्स, देखिए लिस्ट में क्या-क्या है शामिल

पटना (एजेंसी) बिहार के गांवों में पंचायत चुनाव को लेकर इन दिनों चर्चा तेज है. परिसीमन के बाद ही चुनाव कराया जाना है. ऐसे में जो लोग मुखिया का चुनाव लड़ना चाहते हैं, उन्हें पहले ही जरूरी डॉक्युमेंट्स तैयार करने होंगे. बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर गांवों में हलचल तेज होने लगी है. मौजूदा जो मुखिया हैं, उनका कार्यकाल नवंबर-दिसंबर तक खत्म हो जाएगा. पंचायतों का संभावित परिसीमन कराए जाने के बाद ही चुनाव होंगे. ऐसी स्थिति में संभावना जताई जा रही है कि चुनाव में देरी हो सकती है. पंचायती राज मंत्री ने क्या कहा? पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के मुताबिक, परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही चुनाव कराया जाएगा. परिसीमन के बाद पंचायतों की संख्या और मुखिया की सीटों में बदलाव संभव है. चर्चा है कि मुखिया की सीटों में करीब 60 प्रतिशत तक इजाफा हो सकता है. ऐसे में टोटल सीटों की संख्या करीब 13 हजार तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है. गांवों में बैठकों का दौर शुरू चुनाव में अभी कई महीने बाकी हैं, लेकिन अभी से ही गांवों में जनसंपर्क बढ़ गया है. छोटी-बड़ी बैठकें शुरू हो गई हैं और दावेदार अपनी जमीन मजबूत करने में जुट गए हैं. अगर मुखिया का चुनाव लड़ने की प्लानिंग आप भी कर रहे हैं तो इसके पहले कई डॉक्युमेंट्स तैयार रखने होंगे. आखिर समय में किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए पहले ही तैयारी शुरू करनी पड़ेगी.बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इन सभी 9 डॉक्युमेंट्स को रखें तैयार वोटर लिस्ट में नाम जिस ग्राम पंचायत से चुनाव लड़ना है, वहां के वोटर लिस्ट में नाम होना जरूरी है. अपनी वोटर लिस्ट की जानकारी पहले से जांच लें. वोटर आईडी कार्ड भी तैयार रखें. केवल आधार कार्ड के भरोसे न रहें. फोटो और पहचान पत्र हाल की पासपोर्ट साइज फोटो तैयार रखें. वोटर आईडी के साथ आधार कार्ड या अन्य सरकारी फोटो पहचान पत्र रखें. सभी दस्तावेजों में नाम और अन्य विवरण सही होने चाहिए. उम्र का प्रमाण मुखिया चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम उम्र 21 साल होनी चाहिए. मैट्रिक प्रमाण-पत्र, जन्म प्रमाण-पत्र या अन्य मान्य दस्तावेज तैयार रखें. सभी दस्तावेजों में नाम और जन्मतिथि एक जैसी है या नहीं, यह जरूर जांचें. नामांकन शुल्क और रसीद नामांकन के दौरान निर्धारित शुल्क/जमानत राशि जमा करनी होती है. भुगतान के बाद मिली रसीद सुरक्षित रखें. पंचायत से जुड़े किसी बकाये की स्थिति भी पहले जांच लेना बेहतर है.शौचालय से जुड़ी घोषणा घर में कार्यशील शौचालय होने से संबंधित घोषणा देनी पड़ सकती है. घोषणा में परिवार के सदस्यों के खुले में शौच नहीं जाने से संबंधित जानकारी भी मांगी जा सकती है. प्रस्तावक की जानकारी नामांकन पत्र में प्रस्तावक की जानकारी देनी होती है. प्रस्तावक का संबंधित मतदाता होना जरूरी है. नामांकन पत्र पर प्रस्तावक के साइन भी आवश्यक होते हैं. इसलिए प्रस्तावक की सहमति और दस्तावेज पहले से तैयार रखें. निवास प्रमाण-पत्रबिहार का निवासी होने से जुड़े दस्तावेज की जरूरत पड़ सकती है, इसलिए निवास प्रमाण-पत्र भी पहले से तैयार रखना बेहतर है. आरक्षित सीट के लिए जाति प्रमाण-पत्र अगर सीट आरक्षित है, तो संबंधित वैध जाति प्रमाण-पत्र की जरूरत हो सकती है.

नवजात के गायब होने और संभावित तस्करी मामले में हाईकोर्ट सख्त, नालंदा के अस्पताल पर कार्रवाई के निर्देश

पटना (एजेंसी) नालंदा के बिहार शरीफ स्थित नवजीवन शिशु अस्पताल से नवजात के गायब होने और संभावित तस्करी के मामले में पटना हाईकोर्ट ने पुलिस जांच में लापरवाही और अस्पताल के रिकॉर्ड में कथित हेरफेर पर कड़ी नाराजगी जताई है। नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित ह्यनवजीवन शिशु अस्पतालह्व से नवजात शिशु के गायब होने और उसकी संभावित तस्करी के मामले में पटना हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। क्रिमिनल रिट क्षेत्राधिकार मामला संख्या 3338/2025 की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति रमेश चंद मालवीय की खंडपीठ ने पुलिस की शुरूआती जांच में

सामने आई लापरवाही को गंभीरता से लिया। अदालत ने अस्पताल के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई करने और जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टर पर रिकॉर्ड में हेरफेर का आरोप प्रथम दृष्टया सही सुनवाई के दौरान नालंदा के पुलिस अधीक्षक ने अदालत को बताया कि अस्पताल के प्रभारी डॉ. ब्रजेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। जांच और जब्त किए गए दस्तावेजों के आधार पर पता चला कि 26 मार्च 2023 को अस्पताल में 3.450 किलोग्राम वजन के एक जीवित बालक का जन्म हुआ था।जन्म के बाद नवजात को करीब 17 दिनों तक आईसीयू में रखा गया। इस दौरान उसके परिजनों को नवजात से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। जांच में यह भी सामने आया कि डॉक्टर ने खुद प्रवेश रजिस्टर में ओवरराइटिंग की थी। रजिस्टर में ह्यमेलह्व यानी लड़का शब्द के आगे ह्यफीह्व अक्षर जोड़कर उसे ह्यफीमेलह्व यानी लड़की कर दिया गया था। पुलिस की जांच में अस्पताल के एनआईसीयू की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर खामियां सामने आईं। जांच के दौरान पाया गया कि एनआईसीयू में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे और वहां कोई सुरक्षा गार्ड भी तैनात नहीं था। इसके अलावा अस्पताल के प्रवेश और निकास रजिस्टर भी सही तरीके से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने मामले की जांच और अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंता जताई। मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजने में हुई देरी और पुलिस की ओर से दी गई भ्रामक जानकारी पर भी हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई। इसके बाद नालंदा के एसपी ने अदालत को बताया कि विवादित रजिस्टर को एफएसएल पटना के हस्तलेखन विंग को भेज दिया गया है। सुनवाई के दौरान हस्तलेखन विंग के निदेशक भी ऑनलाइन अदालत के समक्ष उपस्थित हुए और जांच पूरी कर 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का आश्वासन दिया। एसपी ने यह भी बताया कि मामले की जांच में पहले लापरवाही बरतने वाले जांच अधिकारी के खिलाफ आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत अस्पताल पर होगी कार्रवाई ईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के ह्यपिंकी बनाम उत्तर प्रदेश राज्यह्व मामले में दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि मानव तस्करी जैसे मामलों में अस्पताल का लाइसेंस तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। पुलिस जांच में अस्पताल के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बावजूद अब तक लाइसेंस रद्द या निलंबित नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट ने गहरी नाराजगी जताई। डीएम को दो सप्ताह में कार्रवाई का आदेश अदालत की फटकार के बाद नालंदा के एसपी ने अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी को प्रस्ताव भेज दिया है। हाईकोर्ट ने नालंदा के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि मामले को प्राथमिकता देते हुए अधिकतम दो सप्ताह के भीतर कानून के अनुरूप उचित आदेश पारित करें। एसपी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया कि मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए एक गुप्त योजना के तहत जांच की जा रही है और वह इसकी रोजाना निगरानी करेंगे।

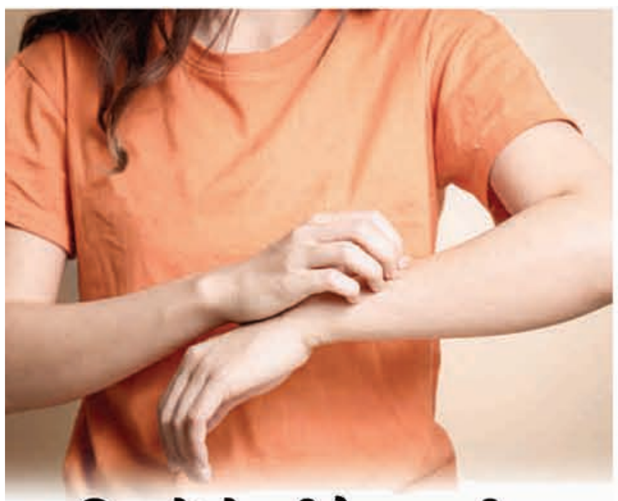

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अतः जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अतः सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अतः घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ष होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

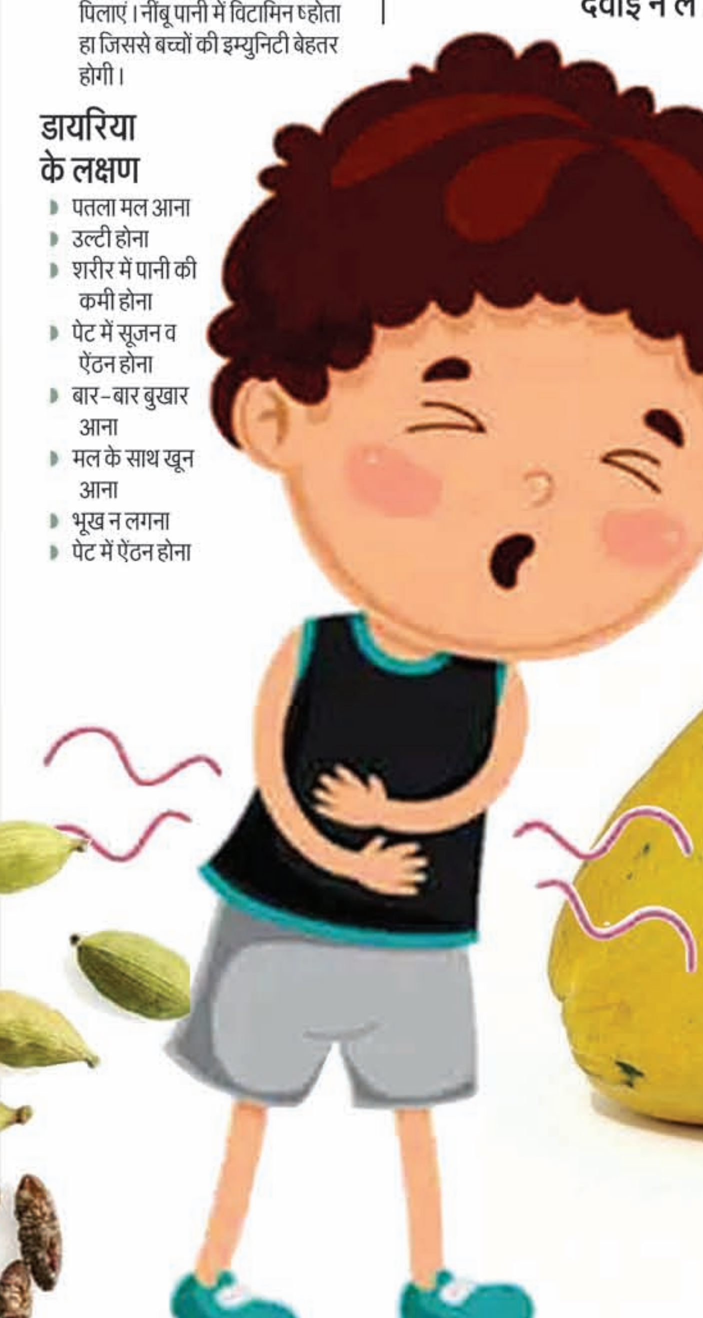

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं।

लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अतः यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता ह्रदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अतः यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अतः बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6-05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की गई है। भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स को देखते हुए भी निगरानी रखी जा रही है।

जेल में भी नहीं सुधरे प्रज्वल रेवन्ना : बैरक से मिला फोन में पोर्न वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें एक बार फिर काफी बढ़ गई हैं। बेंगलुरु की उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अचानक की गई छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं को उनकी बैरक से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस डिवाइस में लगभग 80 से 90 डाउनलोड किए गए अश्लील वीडियो मिले हैं, जिससे जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए चलाए गए औचक तलाशी अभियान के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद फोन में मिले अधिकांश वीडियो भारतीय अश्लील कंटेंट से जुड़े हैं। इसके अलावा जांचकर्ताओं को डिवाइस के भीतर ऐसे समाचार पत्रों की डिजिटल कटिंग भी मिली हैं, जिनमें महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्रियां थीं। फिलहाल इस मोबाइल फोन को विस्तृत फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिबंधित सामग्री कब और कैसे जेल के अंदर पहुंची, इसका इस्तेमाल कौन-कौन करता था और इसमें अन्य कौन सी डिजिटल फाइलें मौजूद थीं। जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि सीसीबी ने मंगलवार को जेल में चार से पांच घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना की बैरक से यह फोन जब्त किया गया। इस गंभीर लापरवाही के सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में सहायक अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि बेंगलुरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जेल के भीतर इस तरह की प्रतिबंधित चीजें कैसे पहुंच रही हैं।

रांची में छात्र प्रदर्शन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 600 पर एफआईआर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रांची पुलिस ने हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई कर करीब 600 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। इसमें 100 लोग नामजद हैं, जिसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के युवा कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं, जबकि 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की गहन जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस दौरान 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल, सोमवार को हजारों छात्र और अभ्यर्थी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे। उनकी मुख्य मांग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना है। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ दीं और पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी खुद के घायल होने का दावा किया है, जिससे वहां तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया। अधिकारियों ने पाया कि आरोग्य सौधा की कैंटीन में साफ-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था और कुछ खाने-पीने की चीज़ें एक्सपायरी हो चुकी थीं। जांच टीम ने यह भी पाया कि खाने-पीने की चीज़ों को फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नियमों के मुताबिक स्टोर नहीं किया जा रहा था। टीम ने यह भी पाया कि कीड़ों से बचाव के जरूरी उपाय नहीं किए गए थे।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

-उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल तक रोक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, ले जाने-पहुंचाने, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि यह रोक अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगी यानी कर्नाटक में इन प्रतिबंधित उत्पादों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अब मुश्किलें बढ़ सकती है।

सरकार ने इस बार पूरी सप्लाई चेन को जांच के दायरे में रखा है। इसका मतलब है कि अगर कोई प्रतिबंधित उत्पाद बाजार में पहुंच रहा है, तो विभाग केवल दुकान तक पहुंचकर जांच नहीं करेगा। सामान कहां बना, कहां रखा और किस रास्ते से बाजार तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रतिबंधित उत्पादों का सर्कुलेशन रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना जारी होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में कार्रवाई तेज कर दी है। फूड सेफ्टी अधिकारियों की निगरानी में जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना है। सरकार ने इस अभियान में आम लोगों से भी सहयोग मांगा है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को प्रतिबंधित तंबाकू या निकोटीन वाले उत्पादों के बनने, बिकने या बांटे जाने की जानकारी मिलती है तो वह संबंधित अधिकारियों को सूचना दे। विभाग का कहना है कि लोगों की भागीदारी से प्रतिबंधित उत्पादों की उपलब्धता रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसे स्वस्थ और नशा-मुक्त कर्नाटक की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

मेघालय में तीन महीने में एचआईवी के 574 नए मामले

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 574 नए एचआईवी संक्रमण सामने आए हैं। इनमें 16 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने जागरूकता, जांच और रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया है। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में करीब 52 प्रतिशत एचआईवी संक्रमण आकस्मिक यौन संपर्क से जुड़े हैं। वहीं 32 प्रतिशत मामले नियमित पार्टनर या पति-पत्नी के माध्यम से हुए। संक्रमित सुई या सीरिंज साझा करने से नशीली दवाओं के इंजेक्शन उपयोग में 9 प्रतिशत, व्यावसायिक यौन संपर्क से 4 प्रतिशत और मां से बच्चे में संक्रमण के करीब 2.5 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शिलांग के लेडी कीन कॉलेज में स्टेटवाइड इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री वाइलाडमिकि शायला ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार, शिक्षण संस्थानों, समुदायों, स्वास्थ्यकर्मियों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अभियान के तहत 126 गांव, 3,000 स्कूल और 85 कॉलेज तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 15 हजार घरों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। फ्लैश मॉब, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. के.एल. इआबोर ने कहा कि HIV को लेकर गलत जानकारी और सामाजिक भेदभाव अभी भी बड़ी चुनौती है। उन्होंने शुरुआती जांच और समय पर उपचार के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए पांच वर्षीय योजना को मंजूरी दी है। अभियान में सुरक्षित व्यवहार, संक्रमित सुई से बचाव, मां से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित रक्त से बचाव पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी के सामने ताइक्कांडो खिलाड़ी के बयान पर मचा बवाल

-बाद में वीडियो जारी कर दी सफाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एक ताइक्कांडो खिलाड़ी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीएम धामी मीडिया के सामने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री को जो कहानी सुनाई, उसने सियासी गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, विवाद बढ़ता देख छात्रा ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी बात पर सफाई दी है और कहा कि वह कार्यक्रम में अपनी पूरी बात नहीं रख पाई थी।

पहले वायरल वीडियो में छात्रा ने सीएम धामी से शिकायत करते हुए कहा था कि वह लोकल नेशनल खेलने गई थी जहां उसका गोल्ड मेडल आया और इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ, लेकिन वहां डेढ़ लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जिस वजह से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वासन देते हुए बैठने को कहा था। यह वीडियो सामने आने के बाद खेल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। विवाद बढ़ने पर छात्रा ने खुद एक नया वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उसने स्पष्ट किया कि वह सिया गर्ल्स स्कूल में 12वीं की छात्रा है और 10 तारीख को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी बात नहीं रख पाई थी। उसने बताया कि वह नेशनल खेलने जम्मू गई थी, जहां से रोमानिया में होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका सिलेक्शन हुआ था। फेडरेशन उसे 1 लाख 70 हजार रुपये दे रही थी, लेकिन बाकी का खर्च उसे खुद उठाना था। उसने यह बात अपने स्कूल में किसी को नहीं बताई थी, जिस कारण वह प्रतियोगिता में नहीं जा सकी। इस सफाई के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

हिमाचल में कहर: 163 लोगों की मौत और 910 करोड़ का नुकसान

14 अगस्त से फिर भारी बारिश का अलर्ट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के बीच लोगों को बुधवार को कुछ देर के लिए राहत मिली थी और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली थी। हालांकि, यह राहत ज्यादा लंबी नहीं टिकने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त से प्रदेश में मानसूनी बारिश के फिर से रौद्र रूप दिखाने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का नया येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अचानक जलस्तर बढ़ने का बड़ा खतरा बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं का यह दौर कितना भयानक रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार 30 जून से लेकर अब तक मानसून सीजन में कुल 163 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 70 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 93 मौतें सड़क हादसों के कारण हुई हैं, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं।

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बीते 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से 313 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। इसके अलावा, 112 ट्रांसफार्मर ठप पड़ने से कई इलाकों में बिजली गुल है, जबकि 65 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आपदाओं की इस फेहरिस्त में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं भी सामने आई हैं। हाल ही में सिरमौर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बिना बारिश के ही एक तीन मंजिला मकान अचानक ढह गया, जिससे मलबे में दबकर एक महिला और उसकी गर्भवती बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, सोलन के पास नेशनल हाईवे पर कार पर पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई थी और उसका परिवार घायल हो गया था। इसके अलावा, राज्य भर में सैकड़ों पक्के और कच्चे मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से जमींदोज हो चुके हैं, और पशुशालाओं तथा पशु-पक्षियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। राजस्व विभाग और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल को बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों को मिलाकर 910 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली और बागवानी समेत कई विभागों की संपत्तियों को क्षति पहुंची है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 से 18 अगस्त तक भी बारिश का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात के तौर पर नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को लेकर दिए गए कथित 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस टिप्पणी के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन पिटीशन पर अब तक 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए प्रियंका गांधी से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने की अपील की गई है।

यह ऑनलाइन पिटीशन एक अगस्त को चेंज डॉट ओआरजी पर शुरू की गई थी। आयोजकों के अनुसार, इसे देश के विभिन्न राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा दावा किया जारहा है कि 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी याचिका का समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता से जुड़ा मामला बताया है।

संसद में टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद शुरू हो गया। याचिका शुरू करने वालों ने टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोजकों का कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम, शोध और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए। उनका दावा है कि इस तरह की भाषा से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ सकता है, जिसका वे नेतृत्व कर रहे हैं।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

याचिका के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष से मामले पर संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही प्रियंका गांधी से टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की अपील की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक बयानबाजी के साथ-साथ वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय में सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा के लिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया 'आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर'

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE
Ke Saath Zimmedari Lagey Pyaari
Trusted by over 20 crore Indians in 25 YEARS

रांची (एजेंसी)। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर लॉन्च किया है। यह खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार किया गया एक कॉम्प्रिहेंसिव टर्म प्लान है। इस प्लान को लाइफ इंश्योरेंस के साथ हेल्थ और वेलनेस फायदों को जोड़कर महिलाओं की बदलती सुरक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर महिलाओं के जीवन के अहम पड़ावों पर उन्हें मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए कई खास सुविधाएँ प्रदान करता है। इसमें 15% लाइफटाइम प्रीमियम डिस्काउंट, महिला-विशेष हेल्थ मैनेजमेंट और वेलनेस सेवाएँ और प्रेग्नेंसी ब्रेक फीचर जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जिससे महिलाएँ प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी प्रीमियम किश्तों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकती हैं। इसके अलावा, यह प्लान चाइल्ड एजुकेशन केयर भी प्रदान करता है, जिसमें 10 साल तक हर साल बढ़कर मिलने वाली इनकम का लाभ मिलता है। इस ऑप्शन के तहत नॉमिनी को मिलने वाला डेथ बेनिफिट अगले 10 सालों तक हर साल 10% बढ़कर नियमित आय के रूप में मिलता है। इस लॉन्च के बारे में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, विकास गुप्ता ने कहा, भारतीय महिलाएँ कई भूमिकाएँ निभाती हैं। इस वजह से उनकी वित्तीय योजना की जरूरतें अलग होती हैं और जीवन के अलग-अलग चरणों में बदलती रहती हैं। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर को व्यापक सुरक्षा देने के साथ ही उनकी अनोखी स्वास्थ्य और वेलनेस जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। लाइफ इंश्योरेंस के साथ प्रेग्नेंसी ब्रेक और लाइफटाइम डिस्काउंट जैसी सुविधाओं को जोड़कर हम एक ऐसा समाधान दे रहे हैं, जो महिलाओं को उनके वित्तीय भविष्य और सेहत दोनों को सुरक्षित रखने में मदद करता है।

आधुनिक युद्धों में आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर किया जा रहा है प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते समय के साथ युद्धों की रणनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। अब युद्ध सीमाओं पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विरोधी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर प्रहार किया जा रहा है। विरोधी देश को कमजोर करने के लिए उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

आधुनिक युद्ध में तेल रिफाइनरियां, गैस पाइपलाइन, बिजली संयंत्र, ऊर्जा भंडारण केंद्र और समुद्री तेल परिवहन मार्ग सबसे संवेदनशील लक्ष्य बनकर उभरे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी देश की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित कर उसकी सैन्य क्षमता, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर एक साथ प्रभाव डाला जा सकता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों ने इस बदलती रणनीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। इन संघर्षों में ऊर्जा से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका उद्देश्य केवल भौतिक नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि विरोधी देश की युद्ध क्षमता और आर्थिक संसाधनों को प्रभावित करना भी है। इससे यह संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध में ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला अब किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्तियों में शामिल हो चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी देश की तेल आपूर्ति बाधित हो जाती है या उसकी रिफाइनरियां और गैस नेटवर्क प्रभावित होते हैं, तो इसका असर केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहता। सेना के टैंक, लड़ाकू विमान, बख्तरबंद वाहन और अन्य सैन्य संसाधन ईंधन पर निर्भर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, तेल निर्यात से होने वाली आय कई देशों के लिए युद्ध संचालन का प्रमुख आर्थिक स्रोत होती है। ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने से राजस्व में कमी आती है और युद्ध संचालन की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन के जरिए रूस के भीतर स्थित कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। विभिन्न हमलों के बाद कई ऊर्जा केंद्रों में आग लगने और उत्पादन प्रभावित होने की खबरें सामने आईं।

इन घटनाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए दूर स्थित रणनीतिक ठिकानों तक भी पहुंच बनाई जा सकती है। इसी प्रकार, पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनावों के दौरान ऊर्जा संयंत्रों, गैस नेटवर्क और बिजली अवसंरचना को लेकर भी लगातार सुरक्षा चिंताएं बनी रही हैं। ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों और उनके जवाबी प्रभावों को लेकर क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लगातार चर्चा होती रही है। विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता ने युद्ध की परिभाषा को बदल दिया है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है, समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं या ऊर्जा उत्पादन ठप पड़ता है, तो उसका असर केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों, महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**